MUMBAI TARANG ™

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल
उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-47 ❖ मुंबई ❖ रविवार 14 से 20 नवंबर 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

हमेशा खुश रहो क्योंकि तुम्हारे आंसू से इस दुनिया को कोई फर्क नहीं पड़ता।

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

पेज 3

पुणे में ईडी की छापेमारी, वक्फ बोर्ड जमीन घोटाला मामले में हुई रेड, नवाब मलिक के मातहत आता है विभाग

पेज 5

गुजरात में इंसाफ का सबसे फास्ट ट्रैक-4 वर्षीय बच्ची को न्याय देने के लिए कोर्ट ने 5 दिन लगातार सुनवाई की, दुष्कर्मी को अंतिम सांस तक उम्र कैद की सजा सुनाई

पेज 7

सूर्यवंशी बनी अक्षय कुमार की वीकेंड पर सर्वाधिक बॉक्स ऑफिस कलेक्शन करने वाली फिल्म

पेज 8

डॉक्टर कृष्णा चौहान करवा रहे हैं इंडियन सिनेमा का सबसे बड़ा पुरुस्कार बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2021

फडणवीस के संरक्षण में चला जाली नोटों का खेल! अंडरवर्ल्ड से भी हैं कनेक्शन

मुंबई, राज्य के अल्पसंख्यक विभाग के मंत्री व राकांपा प्रवक्ता नवाब मलिक ने कल फिर एक नया धमाका किया है। उन्होंने कहा कि ८ नवंबर २०१६ को देश में नोटबंदी की गई थी। देशभर में जाली नोट पकड़े जाने लगे, लेकिन ८ अक्टूबर २०१७ तक महाराष्ट्र में एक भी जाली नोट का मामला सामने नहीं आया था, क्योंकि देवेंद्र फडणवीस के संरक्षण में जाली नोट का खेल महाराष्ट्र में चल रहा था। उन्होंने कहा कि ८ अक्टूबर २०१७ को राजस्व खुफिया निदेशालय ने बीकेसी (बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स) में छापेमारी की, जिसमें १४.५६ करोड़ रुपए के जाली नोट पकड़े गए थे। इस मामले में ८० लाख रुपए दिखाकर उसे दबाने के लिए देवेंद्र फडणवीस ने मदद की थी। जाली नोट का नेक्सस आईएसआई-पाकिस्तान-दाऊद वाया बांग्लादेश के माध्यम से देश में फैलाया जाता है। नवाब मलिक ने कहा कि 'मैं एक ऐसे शख्स के खिलाफ लड़ रहा हूं जो बेगुनाह लोगों को फर्जी मामलों में फंसा रहा है। फडणवीस न केवल मेरे मुद्दे को मोड़ रहे हैं बल्कि एक अधिकारी (समीर वानखेड़े) का बचाव करने की भी कोशिश कर रहे हैं।' मलिक ने कहा कि दाऊद इब्राहिम के करीबी सहयोगी रियाज भाटी को मुंबई हवाईअड्डे पर फर्जी पासपोर्ट के साथ गिरफ्तार किया गया, उन्हें २ दिन में ही जमानत मिल गई थी। रियाज भाटी आपके (देवेंद्र फडणवीस) निकट संपर्क में क्यों थे? तस्वीरों में भाटी कई बड़े नेताओं के साथ नजर आ चुके हैं। रियाज भाटी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। क्या वजह थी कि रियाज भाटी प्रधानमंत्री तक पहुंचा? देवेंद्र फडणवीस, आप अपराधियों को सरकारी पदों पर बिठाते हैं, नकली नोटों का गठजोड़ चलाते हैं। रियाज भाटी के माध्यम से वसूली कराते हैं। लोगों के सामने फडणवीस की काली करतूत को रखा है। आगे भी रखता रहूंगा, ऐसा मलिक ने कहा। कुख्यात अपराधियों को सरकारी पदों पर बैठाया!

नवाब मलिक का सनसनीखेज आरोप अधिकारियों को बचाने की कोशिश एनसीबी में वसूली की जंग को दूसरी ओर मोड़ने का काम देवेंद्र फडणवीस कर रहे हैं। वे उन अधिकारियों को बचाना चाहते हैं, जिनके उनसे पुराने संबंध हैं। २००८ में आया अधिकारी १४ वर्षों से मुंबई में है। इसके अलावा देवेंद्र फडणवीस का अंडरवर्ल्ड से भी संबंध है, ऐसा सनसनीखेज आरोप राकांपा प्रवक्ता और अल्पसंख्यक विभाग के मंत्री नवाब मलिक ने लगाया है। नवाब मलिक ने फडणवीस से तीखा सवाल पूछते हुए कहा कि जब वे मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने अंडरवर्ल्ड के लोगों को सरकारी आयोगों और बोर्डों का अध्यक्ष क्यों बनाया? मुन्ना यादव पर टिप्पणी करते हुए मलिक ने कहा कि वह एक कुख्यात गुंडा है, जिस पर हत्या से लेकर हर तरह के अपराध दर्ज हैं और वह फडणवीस का राजनीतिक सहयोगी है। मुन्ना यादव को महाराष्ट्र भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया या नहीं? हैदर आजम नाम के नेता को मौलाना आजाद वित्त निगम का अध्यक्ष बनाया था कि नहीं? हैदर आजम बांग्लादेश से लोगों को मुंबई लाने के लिए काम नहीं कर रहा क्या? हैदर आजम की दूसरी पत्नी बांग्लादेशी है, जिससे मालाड पुलिस ने पूछताछ की थी।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे अस्पताल में भर्ती, स्वास्थ्य की चिंता नहीं!

मुंबई, 'मेरी तबीयत बेहतर है। दो दिन में कुछ उपचार लेकर महाराष्ट्र की सेवा में पुन: हाजिर हो जाऊंगा, चिंता न करें', ऐसा आह्वान मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने किया है। गर्दन दर्द के उपचार के लिए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे कल शाम दक्षिण मुंबई स्थित रिलायंस अस्पताल में भर्ती हुए। इससे पहले उन्होंने एक पत्र के द्वारा राज्य की जनता से संवाद साधा। पिछले लगभग दो साल से हम कोविड का मुकाबला कर रहे हैं। एक तरफ इस वायरस से लड़ाई जारी रहने के दौरान दूसरी तरफ हमारा जीवन चक्र चलता रहे, राज्य में विकास कार्य जारी रहे, इसके लिए हम सभी बिना रुके सतत प्रयास कर रहे हैं। सिर उठाने का भी समय नहीं मिलता था। ऐसे में न चाहते हुए भी गर्दन दर्द से ध्यान हट गया और गर्दन पर जो परिणाम होना था, वही हुआ! लेकिन इस दर्द का व्यवस्थित उपचार होना चाहिए, डॉक्टरों की इस सलाह पर मैं अस्पताल में भर्ती होकर वहां दो-तीन दिन रहूंगा और अपना उचित इलाज कराऊंगा। आपका आशीर्वाद मेरे साथ है इसलिए मुझे यकीन है कि मैं जल्द ही ठीक हो जाऊंगा, ऐसा मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है। कोरोना वैक्सीन के मामले में भले ही हमने १० करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया हो फिर भी सभी को वैक्सीन की दो डोज लेना बेहद जरूरी है। अपना जीवन सुरक्षित रखने के लिए निकट के केंद्र पर जाकर तुरंत टीका लगवाएं, ऐसा अनुरोध भी मुख्यमंत्री ठाकरे ने किया है।

केंद्रीय मंत्री की समीक्षा बैठक-स्वास्थ्य मंत्री टोपे ने कहा - 30 नवंबर तक सभी को पहली खुराक का लक्ष्य तय

मुंबई। राज्य के सभी पात्र नागरिकों को आगामी 30 नवंबर तक कोरोनारोधी टीके की पहली खुराक देने का लक्ष्य तय किया गया है। यह जानकारी राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने दी है। गुरुवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने देश के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ ऑनलाईन बैठक कर टीकाकरण अभियान की समीक्षा की। इस दौरान टोपे ने यह जानकारी दी। इस दौरान टोपे ने कहा कि कोवैक्सिन की दोनों खुराक के बीच 28 दिनों का अंतर होना चाहिए जबकि कोविशिल्ड के लिए यह अंतर 84 दिनों का है। कोविशिल्ड की दोनों खुराक के बीच के अंतर में कमी करने से टीकाकरण में तेजी आ सकती है। इस बारे में विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में टीकाकरण बढ़ाने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए कई अभियान चलाए जा रहे हैं। टीकाकरण केंद्रों का समय भी बढ़ाया गया है। इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग के अलावा स्वास्थ्य,राजस्व, नगर विकास व शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी लगे हुए हैं। टीकाकरण को लेकर कुछ लोगों के मन में शंका है, उसे दूर करने के लिए धर्मगुरुओं की मदद ली जा रही है।

माध्यमिक शिक्षा मंडल -12वीं की परीक्षा के लिए शुक्रवार से स्वीकारे जाएंगे आवेदन फार्म, 2 दिसंबर तक लास्ट डेट

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से साल 2022 में आयोजित की जाने वाली कक्षा 12 वीं की परीक्षा के लिए शुक्रवार से आवेदन पत्र स्वीकारा जाएगा। गुरुवार को राज्य की स्कूली शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड ने यह जानकारी दी। उच्च माध्यमिक स्कूल और कनिष्ठ महाविद्यालयों के विज्ञान, कला और वाणिज्य संकाय के केवल नियमित विद्यार्थी सरल डाटाबेस के जरिए नियमित शुल्क के साथ 12 नवंबर से 2 दिसंबर तक फार्म भर सकेंगे। जबकि उच्च माध्यमिक स्कूल और महाविद्यालयों के प्रोफेशनल कोर्स के नियमित विद्यार्थी पुनर्परीक्षार्थी, नाम पंजीयन प्रमाणपत्र प्राप्त निजी विद्यार्थी, श्रेणीसुधार योजना व अन्य विषयों, आईटीआई ट्रांसफर ऑफ क्रेडिट लेने वाले विद्यार्थियों को प्रचलित तरीके के अनुसार 3 दिसंबर से 11 दिसंबर के बीच ऑनलाइन फार्म भरना होगा। विलंब शुल्क के साथ 13 दिसंबर से 20 दिसंबर के बीच फार्म भरा जा सकेगा। इस वेबसाईट से ऑनलाइन भर सकेंगे फार्म

वहीं उच्च माध्यमिक स्कूलों और कनिष्ठ महाविद्यालयों को बैंक में चलान द्वारा शुल्क 12 नवंबर से 23 दिसंबर के बीच भरना होगा। विद्यार्थी कक्षा 12 वीं की परीक्षा के लिए वेबसाइट www.mahahsscboard.in पर भी ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। गायकवाड ने विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन भरने की अपील की है। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव डॉ.अशोक भोसले ने कहा कि उच्च माध्यमिक स्कूल और कनिष्ठ महाविद्यालयों को विभागीय मंडल के पास शुल्क भरने वाले विद्यार्थियों की सूची व प्री लिस्ट 28 दिसंबर तक जमा करना होगा।

महंगा होगा होटल का खाना!

मुंबई, महंगाई दिनों-दिन बढ़ रही है। पेट्रोल-डीजल के भाव में बढ़ोतरी से यातायात महंगा होता है, जिसके परिणामस्वरूप जीवनावश्यक वस्तुओं की कीमत पर प्रभाव पड़ता है। गैस की दर में बढ़ोतरी से सर्व सामान्य जनता परेशान है। ईंधन और व्यावसायिक गैस दर में बढ़ोतरी होने के कारण होटल एवं रेस्टोरेंट के खाद्य पदार्थ महंगे होनेवाले हैं यानी आनेवाले कुछ दिनों में मेनू कार्ड में ३० प्रतिशत तक बढ़ोतरी होगी। कोरोना संकट के कारण होटल व्यवसाय का भारी नुकसान हुआ है। होटल पुन: शुरू हुए हैं लेकिन खर्च में बढ़ोतरी हुई है और उत्पादन घटा है, इसके साथ ही ईंधन और व्यावसायिक गैस सिलिंडर की दर में बढ़ोतरी हुई है, कोरोना काल में हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए और व्यवसाय में टिके रहने के लिए खाद्य पदार्थों की कीमत में बढ़ोतरी करने के सिवाय होटल चालकों के पास कोई पर्याय नहीं है, ऐसा 'आहार' संगठन के अध्यक्ष शिवानंद शेट्टी ने स्पष्ट किया है। होटल रेस्टोरेंट में खाद्य पदार्थ की नई दर आगामी एक जनवरी से लागू होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। प्रत्येक होटल चालकों का खर्च अलग-अलग है, खाद्य पदार्थ की दर में कम से कम ३० प्रतिशत बढ़ाने के सिवाय व्यवसाय में टिके रहना मुश्किल है, ऐसा होटल चालकों का कहना है। व्यावसायिक सिलिंडर पहुंचा रु. २००० के करीब व्यावसायिक सिलिंडर की कीमत पहले १,००० रुपए थी, अब घरेलू गैस सिलिंडर की कीमत १,००० के पास पहुंच गई है और व्यावसायिक गैस सिलिंडर की कीमत २००० के करीब पहुंच गई है। गैस सिलिंडर का उपयोग होटल और रेस्टोरेंट में होता है। छोटे होटल में रोज दो तो बड़े होटल में ५ सिलिंडर लगते हैं, सिलिंडर की दर बढ़ने से खर्च बढ़ा है।

भाजपा अध्यक्ष ने उठाया सवाल-पेट्रोल-डीजल से वैट क्यों नहीं कम कर रही राज्य सरकार, प्रदेशभर में होगा प्रदर्शन

मुंबई। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती किमतों से लोगों को राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने उत्पाद शुल्क में कमी की है पर राज्य सरकार पेट्रोलिएम पदार्थों पर वसूले जाने वाले वैट में कमी नहीं कर रही है। जबकि देश के कई राज्यों ने वैट में कमी कर लोगों को राहत दी है। यह बात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकात पाटील ने कही है। पाटिल ने कोल्हापुर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वैट में कटौती की मांग को लेकर भाजपा ने राज्यभर में धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया है। उन्होंने कहा कि देश के करीब 11 राज्यों ने पेट्रोल और डीजल पर वैट में कटौती कर आम आदमी को राहत दी है, जिनमें ऐसे राज्य भी शामिल हैं जहां भाजपा की सरकार नहीं है। भाजपा नेता ने दावा किया कि अगर वे सरकारें राहत प्रदान कर सकती हैं तो महाराष्ट्र सरकार ऐसा करने से क्यों हिचक रही है? केंद्र ने पेट्रोल पर पांच रुपये और डीजल पर 10 रुपये उत्पाद शुल्क की कटौती की है। पाटील ने कहा कि ये (वैट) राजस्व जुटाने के लिए महाराष्ट्र सरकार के लिए सोने की खान है इसलिए वैट में कटौती नहीं की जा रही है। मध्यप्रदेश ने वैट घटाया केंद्र सरकार के पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम करने के बाद महाराष्ट्र के पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश में पेट्रोल और डीजल पर 4 फीसदी वैट कम किया गया है। छत्तीसगढ़ सरकार ने भी पेट्रोल-डीजल के दाम घटने का फैसला किया है।

रस्सी टूट जाने से गई जान-पुलिस से बचने घर की खिड़की से कूदे ड्रग्स आरोपी की मौत

मुंबई। पुलिस से बचने की कोशिश में ड्रग्स मामले के एक 48 वर्षीय आरोपी ने खिड़की से भागने की कोशिश की लेकिन रस्सी टूट जाने के चलते तीसरी मंजिल से गिरकर उसकी जान चली गई। हादसा मालाड के एवरशाइन नगर के हरिद्वार अपार्टमेंट में मंगलवार को हुआ। हादसे में जान गंवाने वाले व्यक्ति की पहचान डेविड हरी रॉय के रुप में हुई है। दरअसल साल 2017 में दिल्ली की जनकपुरी पुलिस स्टेशन में ड्रग्स का एक मामला दर्ज किया गया था। मामले में कैलाश राजपूत नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया था जो कथित तौर पर दाऊद गिरोह से जुड़ा हुआ था। डेविड भी इस मामले में आरोपी था और फरार था। दिल्ली पुलिस को डेविड के ठिकाने की जानकारी मिली तो उसने स्थानीय बांगुरनगर पुलिस से मदद मांगी।

दिल्ली पुलिस के साथ बांगुरनगर पुलिस की टीम डेविड के घर पहुंची। दरवाजा बंद नजर आया और अंदर से कोई जवाब नहीं मिला तो पुलिस ने पड़ोसियों से पूछताछ की। उन्होंने भी कहा कि उन्हें डेविड के बारे में कोई जानकारी नहीं है। पुलिस वापस लौट रही थी लेकिन जैसे ही पुलिस वाले सोसायटी के गेट तक पहुंचे तभी सुरक्षारक्षक ने उन्हें बताया कि तीसरी मंजिल से कोई व्यक्ति गिर गया है।

पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि हेलमेट पहना व्यक्ति खून से लथपथ पड़ा है। हेलमेट निकालने के बाद पता चला कि वह डेविड ही है जिसकी तलाश में वे वहां पहुंचे थे। डेविड को अस्पताल ले जाया गया लेकिन इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने फ्लैट की जांच की तो पाया कि खिड़की की ग्रिल कटी हुई थी और उसमें बंधी रस्सी टूटी हुई थी। इससे अंदाजा लगा कि पुलिस को देखकर डेविड ने भागने की कोशिश की लेकिन रस्सी टूटने से उनकी जान चली गई। पुलिस के मुताबिक फ्लैट में वह अकेला रहता था और परिवार के दूसरे सदस्य इसी इलाके के दूसरे फ्लैट में रहते थे लेकिन वह उनके संपर्क में नहीं था। पुलिस ने एडीआर दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

6 करोड़ की ड्रग्स के साथ नाईजीरियाई गिरफ्तार

मुंबई पुलिस की एंटी नार्कोटिक्स सेल (एएनसी) ने करीब छह करोड़ रुपए की मेफेड्रान के साथ एक 36 वर्षीय नाइजीरियाई आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी का नाम इनुसा गोडविन उर्फ जॉन है। आरोपी के गोरेगांव के आरे रोड से गुप्त सूचना के आधार पर जाल बिछाकर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक गोडविन के खिलाफ पहले से ही घाटकोपर, आजाद मैदान के साथ नागपुर के सोनेगांव पुलिस स्टेशन में भी मामले दर्ज हैं।

देश को कई नाइका चाहिए

नई दिल्ली, कॉस्मेटिक्स और फैशन प्रॉडक्ट्स प्लैटफॉर्म नाइका के आईपीओ जिन लोगों को मिले थे, लिस्टिंग के पहले ही दिन उन्हें इस पर 100 प्रतिशत से कुछ कम का रिटर्न मिला। बाजार ने कंपनी का वैल्यूएशन 14 अरब डॉलर के करीब लगाया। इससे पहले जोमैटो की भी बढ़िया लिस्टिंग हुई थी और जल्द ही पेटीएम भी शेयर बाजार में आने वाली है। जोमैटो के बाद नाइका की शानदार लिस्टिंग से देसी स्टार्टअप्स के लिए नए दौर का आगाज हुआ है। पहले यह आशंका रहती थी कि लंबे वक्त तक घाटे में चलने वाली इन कंपनियों को भारत में सही वैल्यूएशन मिलेगा या नहीं? असल में इन कंपनियों का वैल्यूएशन पारंपरिक खांचे के हिसाब से बहुत ऊंचा दिखता है। इसी वजह से पहले स्टार्टअप्स के संस्थापक विदेशी बाजारों में लिस्टिंग के बारे में सोचते थे, जहां पहले से ऐसी कंपनियां लिस्टेड थीं। ऐसे में जोमैटो और नाइका की कामयाब लिस्टिंग से देश में दूसरी

स्टार्टअप्स के लिए पैसा जुटाना आसान हो जाएगा। दूसरे, इनसे निवेशकों को भी इंटरनेट और टेक्नलॉजी आधारित कंपनियों से पैसा बनाने का मौका मिलेगा, जैसे कि अमेरिका में गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट इंक, एमेजॉन और फेसबुक (अब मेटा) के निवेशकों को मिला है।

बेशक इसके लिए भारतीय स्टार्टअप्स को इन कंपनियों की तरह ग्रोथ का वादा पूरा करना होगा। निवेशकों को भी सावधान रहना होगा क्योंकि स्टार्टअप्स के नाकाम होने की दर भी ज्यादा होती है। वैसे, भारतीय स्टार्टअप्स को अभी बहुत लंबा सफर तय करना है। देश में करीब 50 हजार स्टार्टअप्स हैं, जिनमें से 72 का वैल्यूएशन ही नवंबर 2021 तक एक अरब डॉलर से अधिक था। जिन स्टार्टअप्स का वैल्यूएशन इतना होता है, उसे यूनिकॉर्न कहा जाता है। अगर समूची दुनिया के यूनिकॉर्न के मुकाबले देखें तो यह संख्या 8-9 प्रतिशत ही है।

वैसे, भारत में स्टार्टअप्स का कुल वैल्यूएशन 168 अरब डॉलर के करीब है और इस लिहाज से अमेरिका और चीन के बाद भारत में स्टार्टअप्स का तीसरा सबसे बड़ा ईकोसिस्टम है। इसके साथ यह भी समझना होगा कि किसी समाज को कई तरह के बिजनेस की जरूरत पड़ती है। हो सकता है कि उनमें जोमैटो जितने विस्तार की संभावना न हो। जैसे, देश में वाजिब दरों पर बेहतर हेल्थकेयर सर्विसेज की जरूरत है। क्या ऐसी कंपनियां यूनिकॉर्न बन सकती हैं? ऐसा हो सकता है, लेकिन इसमें काफी वक्त लग सकता है।

इसलिए इन कंपनियों को भी निवेशकों के सपोर्ट की जरूरत पड़ेगी। शायद, समाज की जरूरी समस्याओं को हल करने वाली ऐसी कंपनियों को सरकार से भी मदद की जरूरत पड़े। सरकार को इस बात पर भी नजर बनाए रखनी होगी कि देश का स्टार्टअप सिस्टम ना सिर्फ मजबूत बना रहे बल्कि आगे चलकर विश्व में उसकी रैंकिंग और बेहतर हो। इससे जहां कई समस्याओं को सुलझाने में मदद मिलेगी वहीं देश की इकॉनमी को भी फायदा होगा।

CBI को काम करने दें

किरीट ए. चावड़ा

सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर ठीक ही चिंता जताई है कि एक-एक करके आठ राज्य सीबीआई को जांच-पड़ताल के लिए दी गई आम इजाजत वापस ले चुके हैं और इसका देश की इस प्रमुख जांच एजेंसी के कामकाज पर बुरा असर पड़ रहा है। हाल ही में

सीबीआई डायरेक्टर ने कोर्ट में हलफनामा दायर करके बताया था कि पश्चिम बंगाल, केरल, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मिजोरम द्वारा आम सहमति वापस लिए जाने से सीबीआई को इन राज्यों में किसी तरह की जांच-पड़ताल शुरू करने से पहले केस-दर-केस इजाजत लेनी पड़ती है। आलम यह है कि 2018 से लेकर जून 2021 के बीच किए 150 अनुरोधों में से सीबीआई मात्र 18 फीसदी मामलों में जांच की अनुमति हासिल कर सकी है। गौर करने की बात है कि मिजोरम (जहां मिजो नैशनल फ्रंट की सरकार है) को छोड़ दें तो सीबीआई से आम सहमति वापस लेने वाले इन तमाम राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं।

इन राज्यों की शिकायत है कि सीबीआई का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्य साधने के लिए किया जा रहा है और इसीलिए वे हर केस का मेरिट देखने के बाद ही उसे जांच करने की इजाजत देने या नहीं देने का फैसला करेंगे। अब चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और केस चीफ जस्टिस एन वी रमना को रेफर कर दिया गया है, इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्दी ही यह प्रकरण सही दिशा में आगे बढ़ेगा।

लेकिन ध्यान में रखने की बात यह है कि ऐसी उलझनें तब पैदा होती हैं, जब केंद्रीय एजेंसियों की विश्वसनीयता का ग्राफ नीचे जाता है।

सीबीआई जैसी एजेंसी के कामकाज को लेकर बना अविश्वास जहां विरोधी दलों के नेताओं के मन में आशंकाएं पैदा करता है, वहीं उनमें से कुछ को यह ढाल देता है कि वे राजनीतिक दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए अपने या अपने लोगों के खिलाफ चल रही जेनुइन जांच भी रुकवाने की कोशिश करें। दोनों ही स्थितियों का सबसे बुरा असर इस केंद्रीय एजेंसी के द्वारा की जा रही जांच-पड़ताल पर पड़ता है। सीबीआई डायरेक्टर के हलफनामे के मुताबिक भी राज्य सरकारों की इजाजत के अभाव में लंबित पड़े मामलों में कई बड़े वित्तीय घोटालों से जुड़े हैं जो इतने बड़े हैं कि देश की इकॉनमी को भी प्रभावित कर सकते हैं। बहरहाल, इसमें शक नहीं कि इस मामले के कानूनी पहलू भी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन कानूनों के जरिए निकाला गया कोई भी फॉर्म्युला व्यवहार में काम तभी करेगा, जब उस पर अमल अच्छी तरह होगा।

और अमल का सूत्र इस बात में है कि सेंट्रल एजेंसियों को प्रफेशनल तरीके से काम करने दिया जाए। इस बिंदु पर केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और सेंट्रल एजेंसियों के अंदर की ब्यूरोक्रेसी तीनों की महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं और अपने अपने हिस्से की जिम्मेदारी ये तीनों ठीक से निभाएं तभी बात बनेगी।

जिगर डी वाढेर

बीजेपी के तरकश में रख आए जिन्ना का तीर

उत्तर प्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य पर नजर दौड़ाएं तो बीजेपी अपने मुद्दों के साथ योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ती दिखती है, लेकिन ज्यादा दिलचस्प यह है कि विपक्षी दल भी ऐसे मुद्दे उठा रहे हैं, जो बीजेपी के लिए ज्यादा अनुकूल हैं। ताजा उदाहरण समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा महात्मा गांधी, सरदार पटेल, जवाहरलाल नेहरू के समकक्ष मोहम्मद अली जिन्ना को खड़ा किए जाने का है। उन्होंने कहा कि ये सभी एक ही संस्थान से पढ़े, बैरिस्टर बने और आजादी के संघर्ष में भाग लिया। यह समझ से परे है कि जिस जिन्ना को आम भारतीय खलनायक के रूप में देखता है, उसका इन महापुरुषों के साथ नाम लेने की क्या आवश्यकता थी।विभाजन के खलनायक

वैसे, उत्तर प्रदेश के मौजूदा चुनावी समीकरणों के मद्देनजर मुसलमानों का बड़ा समूह अगर बीजेपी के विरुद्ध रणनीतिक मतदान करेगा तो संभवतः उसकी पहली पसंद एसपी ही होगी। अखिलेश इसे पक्का करना चाहते हैं तो इसके लिए बहुत सारे मुद्दे हो सकते हैं। लेकिन बहुसंख्य मुसलमान जिन्ना को अपना महापुरुष मानकर वोट देंगे, यह मानना कठिन है। जिन्ना भारत विभाजन के सबसे बड़े खलनायक थे। एक समय भले वह अंग्रेजों के विरुद्ध आंदोलन में शामिल थे, लेकिन बाद में उन्होंने मुस्लिम सांप्रदायिकता को बढ़ाया, विभाजनकारी वक्तव्य दिए और 'डायरेक्ट एक्शन' के जरिए दंगे कराए।

विपक्ष की ओर से उठाए जाने वाले ऐसे मुद्दे बीजेपी के लिए मुंहमांगा वरदान साबित होते हैं। तय मानिए कि बीजेपी किसी न किसी रूप में जिन्ना का नाम पूरे चुनाव तक जिंदा रखेगी। अखिलेश ने बिन मांगे बीजेपी की तरकश में जिन्ना नाम का एक घातक तीर दे दिया है। अब अखिलेश बीजेपी और योगी सरकार के विरुद्ध जो भी मामले उठाएं, बीजेपी के लिए यह कह कर जवाब टाल देना आसान हो गया है कि भाई, उन्हें तो जिन्ना चाहिए। यह कोई पहली घटना नहीं है। यूपी की विपक्षी पार्टियां लगातार बीजेपी को ऐसे मुद्दे दे रही हैं या वे स्वयं बीजेपी के मुद्दों पर चुनाव लड़ने की कोशिश कर रही हैं। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण संघ परिवार और बीजेपी के अजेंडे में रहा है। उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद केंद्र और प्रदेश सरकार ने निर्माण में तेजी लाई और अब व्यवस्थित तरीके से यह कार्य आगे बढ़ रहा है। ऐसे में अगर किसी और पार्टी के नेता चुनाव पूर्व अयोध्या की यात्रा करते हैं और कहते हैं कि वे परम भक्त हैं तो बीजेपी उसे किस रूप में भुनाएगी, इसकी कल्पना की जा सकती है। एसपी, कांग्रेस और बीएसपी तीनों पर बीजेपी नेता यह कहते हुए हमला करते हैं कि ये चुनावी राम भक्त हैं। इन्होंने हमेशा राम जन्मभूमि आंदोलन का विरोध किया। कोई नेता अयोध्या जाए, राम का दर्शन करे, स्वयं को निष्ठावान हिंदू कहे, इसमें समस्या नहीं है, लेकिन चुनावी दृष्टि से देखें तो इस पायदान पर बीजेपी सबसे ऊंचाई पर दिखाई देती है। आखिर मंदिर निर्माण का फैसला आने से पहले ही योगी सरकार ने अयोध्या के पुनर्निर्माण की योजना बनाकर उस पर काम शुरू कर दिया था। अयोध्या में दीपोत्सव महिमामंडित त्योहार के रूप में स्थापित किया गया। धीरे-धीरे वाराणसी के समान अयोध्या को प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विख्यात करने की कोशिश हुई और उसमें काफी हद तक सफलता मिली। ऐसे में विपक्ष भला कैसे बाजी मार सकता है? जब विपक्षी नेता राम मंदिर को मुद्दा बनाते हुए कहते हैं कि वे ही असली रामभक्त हैं तो उनके पास अपना किया दिखाने के लिए कुछ नहीं होता, जबकि बीजेपी के साथ ऐसा नहीं है।

पश्चिम बंगाल चुनाव के बाद विपक्ष में यह धारणा बनी कि ममता बनर्जी ने स्वयं को निष्ठावान हिंदू साबित किया और इसका असर मतदाताओं पर पड़ा। यहां केवल इतना ही कहना पर्याप्त होगा कि बंगाल का चुनावी माहौल, सामाजिक-धार्मिक समीकरण अलग था। करीब 30 प्रतिशत मुस्लिम वोट और बड़े पैमाने पर वामपंथी सोच के मतदाताओं के रहते बीजेपी के लिए तृणमूल को पराजित करना आसान नहीं था। उनके सामने बीजेपी को हराना ही एकमात्र लक्ष्य था और विकल्प तृणमूल ही थी। ऐसा अन्य राज्यों में नहीं है। खासकर उत्तर प्रदेश में तो कतई नहीं। पिछले चुनाव में भी अखिलेश ने अंकोरवाट की तर्ज पर विष्णु मंदिर बनाने की घोषणा कर दी थी। मतदाता उस समय प्रभावित नहीं हुए तो आज कैसे हो जाएंगे?

बीएसपी के सतीश मिश्र के साथ भी यही बात है। बीजेपी याद दिला रही है कि कांशीराम, मायावती और बीएसपी हिंदू देवी-देवताओं के बारे में कैसी बातें करते रहे हैं। मायावती के लिए बीएसपी के सिद्धांतों के कायम रहते हुए अयोध्या जाकर राम मंदिर में माथा टेकना आसान नहीं है।

यह भी गौर करने लायक है कि हर पार्टी ब्राह्मण सम्मेलन करवा रही है। ब्राह्मण केवल एक सामान्य जाति नहीं धार्मिक रूप से सबसे ज्यादा आस्थावान और कर्मकांड कराने वाला ऐसा समुदाय है, जो धार्मिक स्थलों व प्रतीकों के प्रति अत्यंत संवेदनशील है। आप ब्राह्मणों के बीच जाकर उनके मुद्दे उठाएंगे तो बीजेपी भी अपने कामों को सामने रखेगी और फिर दोनों में तुलना होगी। अपने पैरों पर कुल्हाड़ी

वाराणसी ,अयोध्या, विंध्याचल, प्रयागराज और दूसरे धार्मिक-सांस्कृतिक रूप से प्रमुख स्थलों पर बीजेपी को घेरना विपक्ष के लिए अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है। हिंदुत्व, राष्ट्रवाद, सुरक्षा और आतंकवाद तथा जम्मू-कश्मीर आदि मुद्दों पर बीजेपी को जितना घेरते हैं, उसके लिए चुनाव अभियान उतना ही आसान होता है। कुल मिलाकर देखा जाए तो उत्तर प्रदेश में विपक्ष बीजेपी के खिलाफ एकजुट तो नहीं ही है, ठीक से अपने मुद्दे भी नहीं चुन पा रहा।

चुनौती बनती साइबर ठगी

भूपेन्द्र पटेल

साइबर अपराध के शिकार व्यक्ति या पुलिस के लिए अपराधी तक पहुंचना और लूटे गए पैसे को अपराधी से वसूल कर पाना बहुत ही मुश्किल होता है। इसकी बड़ी वजह है कि आर्थिक साइबर अपराधों से निपटने का तंत्र दुरुस्त नहीं है।

मध्यम वर्ग और उच्च वर्ग की आबादी में गिने-चुने लोग ही ऐसे हैं जिनके पास मोबाइल फोन नहीं है और जिनके पास हैं, उनमें से बहुत कम ऐसे लोग होंगे जिन तक पहुंचने की कोशिश साइबर अपराधियों ने न की हो। इन्हीं में से कुछ न कुछ इन अपराधियों की चालों का शिकार हो बन जाते हैं। विगत करीब एक दशक में अपराधों की दुनिया में साइबर अपराधों की एक नई दुनिया खड़ी हो गई है। दुनिया की बात तो अलग, अकेले भारत में ही रोजाना हजारों लोग साइबर ठगी का शिकार हो रहे हैं।

अपने घर में बैठे हम सबसे अधिक सुरक्षित महसूस करते हैं, पर साइबर अपराधी सुरक्षा के इस आश्वासन को झुठलाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। निस्संदेह मोबाइल फोन एक बहुपयोगी साधन के रूप में आज हर हाथ में है, पर इसे लेकर थोड़ी-सी भी असावधानी हमें खतरे में डाल देती है। किसी के फोन पर एक संदेश आता है या घंटी बजती है, लिखित या मौखिक संवाद शुरू होता है और फिर पता चलता है कि उसके बैंक खाते से पैसे निकल गए। ऐसी धोखाधड़ी की ऐसी घटनाएं डेस्कटाप या लैपटाप पर भी हो जाती हैं। हालत यह है कि देश-दुनिया में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों ने सबकी नींद उड़ा दी है।

आर्थिक साइबर अपराध के बढ़ने के पीछे कई कारण हैं। अधिकांश मामलों में अपराधी को इस तरह की धोखाधड़ी करने के लिए कहीं आने-जाने की जरूरत नहीं होती। दुनिया के किसी भी कोने से इस ठगी को अंजाम दिया जा सकता है। अगर किसी चोर को चोरी करनी है तो उसे हर बार नए ठिकाने का जायजा लेना होता है और अलग रणनीति बनानी पड़ती है। साइबर ठगी के लिए इन सबकी जरूरत नहीं है, न ही इसके लिए तरकीबों को बार-बार बदलना पड़ता है। ठगी के विभिन्न तरीकों में से एक या अधिक को बार-बार अलग-अलग लोगों पर आजमाया जा सकता है। कुछ कोशिशें नाकाम होती हैं तो कुछ में अपराधी निर्दोष लोगों का पैसा हड़पने में कामयाब भी हो जाते हैं।

वित्त की दुनिया के डिजिटलीकरण के साथ ही ठगी करने वालों ने नए-नए तरीके निकाल लिए हैं। भौतिक रूप में नकदी का लेनदेन कम होता जा रहा है और इसकी जगह इलेक्ट्रानिक निधि अंतरण ने ली है। लोग मोबाइल वालेट का बढ़-चढ़ कर उपयोग कर रहे हैं। इन सबसे आम लोगों के लिए खरीद-फरोख्त करना, पैसा भेजना और मंगाना आसान हुआ है। लेकिन इसके साथ ही साइबर ठगों की भी मौज हो गई है। इससे भी बड़ी समस्या यह है कि साइबर अपराध के शिकार व्यक्ति या पुलिस के लिए अपराधी तक पहुंचना और लूटे गए पैसे को अपराधी से वसूल कर पाना बहुत ही मुश्किल होता है। इसकी बड़ी वजह है कि आर्थिक साइबर अपराधों से निपटने की तंत्र दुरुस्त नहीं है।

बैंक ग्राहकों को साइबर धोखाधड़ी से बचाने के मकसद से ही बैंकों ने 'अपने ग्राहक को जानने' की कवायद शुरू की थी जो केवाईसी के नाम से प्रचलित है। केवाईसी बैंकों और उनके ग्राहकों दोनों के भले के लिए है। पर साइबर ठगों ने यहां भी तोड़ निकाल लिया और केवाईसी अद्यतन करने को ठगी का जरिया बना लिया। बैंक का प्रतिनिधि बन कर ये ठग लोगों को फोन कर बताते हैं कि केवाईसी अद्यतन नहीं होने के कारण उनका खाता अथवा कार्ड बंद होने जा रहा है, ग्राहक की मन:स्थिति को भांपते हुए ये खाते अथवा कार्ड का ब्योरा लेकर उसका पैसा उड़ा लेते हैं। अब तो फेसबुक के जरिए भी आर्थिक साइबर धोखाधड़ी जोरों पर है। यहां प्रोफाइल चुन कर लोगों को दोस्ती या शादी के प्रस्ताव भेजे जाते हैं।

फिर उन्हें बताया जाता है कि उनके लिए उपहार भेजा गया है। बाद में कोई कस्टम अधिकारी बन कर फोन करता है कि कस्टम ड्यूटी या जुर्माने के रुप में अमुक रकम अमुक खाते में जमा करा दें। या जहां दो फेसबुकियों जिनमें से एक वस्तुत: साइबर ठग होता है, के बीच बात प्यार व शादी तक आ गई हो, ठग अपनी तथाकथित वित्तीय मुश्किलों का हवाला देकर पैसा मांगते जाते हैं। इसके अलावा लोगों को नौकरी और घर से काम का प्रस्ताव देने के बहाने भी आनलाइन रकम वसूली जा रही है, वह भी एक-एक व्यक्ति से कई किस्तों में। लोगों को लुभाने वाले जैसे छूट या उपहार कूपन के प्रस्ताव भेजे जाते हैं जिसमें एसएमएस या वाट्सऐप पर भेजे गए लिंक पर क्लिक करने या क्यूआर कोड स्कैन करने को कहा जाता है। इन तरकीबों से लोगों के मोबाइल फोन में सेंध लगा कर उनके खाते, कार्ड या वालेट से पैसे निकाल लिए जाते हैं।

साइबर ठग लोगों को फर्जी इमेल भेज कर भी चूना लगा रहे हैं। ऐसे ईमेल देख कर लगता है कि सही में इन्हें किसी बैंक, आयकर विभाग, अन्य सरकारी एजंसी या किसी बड़ी कंपनी की तरफ से भेजा गया है। इनमें भी ऐसा लिंक होता है जिसे आपके क्लिक करते ही ठगों को आपके मेल या कंप्यूटर में सेंध लगाने का रास्ता मिल जाता है। यहां आपसे फिरौती की भी मांग की जा सकती है। विरासत में मिले धन का एक हिस्सा अथवा लाटरी की रकम देने के भी फर्जी प्रस्तावों के जरिए भी लोगों को फंसाया जाता है। यदि कोई इंटरनेट पर किसी कंपनी के ग्राहक सेवा केंद्र का नंबर ढूंढ रहा है तो उसे बहुत सावधानी बरतने की जरूरत है क्योंकि यहां भी साइबर ठगों ने अपने नंबर डाल रखे हैं जिसका वास्तविक कंपनी से कोई संबंध नहीं होता। नोएडा से लेकर मुंबई और झारखंड तक में ऐसे काल सेंटरों का पदार्फाश हुआ है जो विदेशी नागरिकों को अपने जाल में फंसा कर उनसे साइबर ठगी के जरिए रकम वसूला करते थे। आर्थिक साइबर अपराध का क्षेत्र इतना व्यापक हो चुका है कि इसकी एक शब्दावली भी बन चुकी है जिसमें अपने विशिष्ट अर्थ वाले फिशिंग, विशिंग, स्किमिंग, क्लोनिंग जैसे शब्द मौजूद हैं। बैंक, क्रेडिट कार्ड कंपनियां, मोबाइल वालेट सेवा प्रदाता, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां आदि सभी अपने ग्राहकों को आगाह करती रहती हैं कि वे अनजान लोगों के साथ अपनी वित्तीय जानकारी साझा न करें।

पुणे में ईडी की छापेमारी, वक्फ बोर्ड जमीन घोटाला मामले में हुई रेड, नवाब मलिक के मातहत आता है विभाग

मुंबई, महाराष्ट्र के पुणे जिले में प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी और सर्च ऑपरेशन शुरू है। जानकारी के मुताबिक सात जगहों पर ईडी की रेड शुरू है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा यह रेड वक्फ बोर्ड जमीन घोटाले मामले में की जा रही है। आपको बता दें कि वक्फ बोर्ड महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक के मातहत आता है। प्रवर्तन निदेशालय की इस कार्रवाई को नवाब मलिक द्वारा रोजाना किए जा रहे हमलों से जोड़कर देखा जा रहा है। फिर गरजे नवाब मलिक

यूं तो आज महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक की प्रेस कॉन्फ्रेंस पहले से तय नहीं थी। लेकिन जब पत्रकारों ने उनसे देवेंद्र फडणवीस के ट्वीट संबंधी सवाल किए तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया। दरअसल फडणवीस ने बुधवार को ट्वीट में लिखा था कि सुअर से कुश्ती नहीं करनी चाहिए वरना उससे अपने ही कपड़े खराब होंगे जबकि सुअर को मज़ा आएगा।

वहीं नवाब मलिक ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा है कि जिस तरह से देवेंद्र फडणवीस ने एक जानवर के नाम से मुझे पुकारा, यह उनका कल्चर दर्शाता है। इस दल के नेता विपक्षी दलों के नेताओं को कुत्ता- बिल्ली कहते हैं। इंसान इंसान होता है, हम किसी पर ऐसी टिप्पणी नहीं करते।

5 करोड़ की मानहानि का नोटिस

नवाब मलिक के दामाद समीर खान और उनकी पत्नी नीलोफर मलिक खान की तरफ से पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को मानहानि का नोटिस भेजा गया है। यह नोटिस पांच करोड़ रुपए की मानहानि का है। इसके साथ ही फडणवीस से माफी मांगने के लिए भी कहा गया है। आपको बता दें कि देवेंद्र फडणवीस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि वे आरोप लगाने के बाद माफी नहीं मांगते हैं। इनके लिए अकेला ही काफी हूं नवाब मलिक ने कहा कि कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री ने हमारे काम की प्रशंसा की है। मलिक ने कहा कि पूरा कैबिनेट मेरे साथ हैं। खुद शरद पवार और पूरी एनसीपी का समर्थन भी मुझे प्राप्त है। फिलहाल मैं इन सब लोगों के लिए अकेले ही काफी हूं।

मुंबई से यूपी में हो रही है ड्रग्स की सप्लाई, ANC ने जब्त की छह करोड़ रुपये की ड्रग्स

मुंबई, ड्रग्स तस्कर मुंबई से दूसरे राज्यों में भी ड्रग्स की सप्लाई कर रहे हैं। ऐसे ही एक सप्यालर अजीम को लखनऊ में गिरफ्तार किया गया है। अजीम ने बताया कि वह साल 2020 से तौहीद बशीर अहमद नाम के ड्रग माफिया के लिए काम कर रहा है। वह तौहीद से ड्रग्स लेकर मुंबई से लखनऊ ट्रेन से गया था। इससे पहले वह तौहीद के साथ उसकी प्राइवेट कार में भी लखनऊ आ चुका है। तौहीद अपने कस्टमर का नाम और फोन नंबर अजीम को दे देता था। उसके बाद अजीम उन कस्टमरों को फोन कर उन्हें बताई जगह पर ड्रग्स सप्लाई कर देता था। कस्टमर से जो भी कैश मिलता था, अजीम बाद में उन रुपयों को तौहीद को पहुंचा देता था। कई बार अजीम ग्राहकों को तौहीद का अकाउंट नंबर दे देता था और उसमें रकम ट्रांसफर करने को कहता था। एक दूसरी कार्रवाई में मुंबई क्राइम ब्रांच की ऐंटि नार्कोटिक्स सेल (ANC) ने इनूसा गॉडविन नामक एक नाइजीरियन को गुरुवार को गिरफ्तार किया। डीसीपी दत्ता नलावडे ने बताया कि हमने उसके पास से 2 किलो 14 ग्राम एमडी ड्रग जब्त की है। इसकी कीमत 6 करोड़ रुपये से ज्यादा है। गॉडविन को अतीत में ANC की घाटकोपर, आजाद मैदान यूनिट और नागपुर के सोनेगाव पुलिस स्टेशन द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है। पंच प्रभाकर से अब NCB की ऑपरेशन यूनिट की पूछताछ पंच प्रभाकर सैल से गुरुवार को एनसीबी की ऑपरेशन यूनिट ने लंबी पूछताछ की। इससे पहले एनसीबी की विजिलेंस टीम ने उसका लगातार दो दिन स्टेटमेंट लिया था।

जाति प्रमाण पत्र मामला- मुंबई पुलिस ने समीर वानखेड़े का बयान दर्ज किया

मुंबई, मुंबई पुलिस ने स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े पर फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लगे आरोपों के सिलसिले में उनका बयान दर्ज किया है। अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सहायक पुलिस आयुक्त ने हाल में वानखेड़े का बयान दर्ज किया था और वह आगे की जांच कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि वानखेड़े ने सहायक पुलिस आयुक्त के समक्ष संबंधित दस्तावेज जमा किए और अपना विस्तृत बयान दर्ज कराया। गौरतलब है कि महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नवाब मलिक ने आरोप लगाया है कि वानखेड़े के पिता ने इस्लाम धर्म स्वीकार कर लिया है। लेकिन वानखेड़े को अनुसूचित जाति के कोटे से सरकारी नौकरी मिली, जो मुस्लिम व्यक्ति को नहीं मिली सकती है। वानखेड़े और उनके पिता दन्यादेव वानखेड़े ने इन आरोपों का खंडन किया है और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता मलिक के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया है।

देवेंद्र फडणवीस के आपत्तिजनक ट्वीट पर मलिक जवाब, बोले- 'इंसान सिर्फ इंसान होता है'

मुंबई, यूं तो आज महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक की प्रेस कॉन्फ्रेंस पहले से तय नहीं थी। लेकिन जब पत्रकारों ने उनसे देवेंद्र फडणवीस के ट्वीट संबंधी सवाल किए तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया। दरअसल फडणवीस ने बुधवार को ट्वीट में लिखा था कि सुअर से कुश्ती नहीं करनी चाहिए वरना उससे अपने ही कपड़े खराब होंगे जबकि सुअर को मज़ा आएगा। फिर गरजे नवाब मलिक वहीं नवाब मलिक ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा है कि जिस तरह से देवेंद्र फडणवीस ने एक जानवर के नाम से मुझे पुकारा, यह उनका कल्चर दर्शाता है। इस दल के नेता विपक्षी दलों के नेताओं को कुत्ता- बिल्ली कहते हैं। इंसान इंसान होता है, हम किसी पर ऐसी टिप्पणी नहीं करते। दूसरों की तुलना किसी जानवर के साथ करने से इनकी मानसिकता लोगों के सामने आ रही है। ऐसी भाषा का प्रयोग करके वे खुद अपनी प्रतिमा को मलिन कर रहे हैं।

5 करोड़ की मानहानि का नोटिस

नवाब मलिक के दामाद समीर खान और उनकी पत्नी नीलोफर मलिक खान की तरफ से पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को मानहानि का नोटिस भेजा गया है। यह नोटिस पांच करोड़ रुपए की मानहानि का है। इसके साथ ही फडणवीस से माफी मांगने के लिए भी कहा गया है। आपको बता दें कि देवेंद्र फडणवीस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि वे आरोप लगाने के बाद माफी नहीं मांगते हैं। इनके लिए अकेला ही काफी हूं नवाब मलिक ने कहा कि कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री ने हमारे काम की प्रशंसा की है। मलिक ने कहा कि पूरा कैबिनेट मेरे साथ हैं। खुद शरद पवार और पूरी एनसीपी का समर्थन भी मुझे प्राप्त है। फिलहाल मैं इन सब लोगों के लिए अकेले ही काफी हूं।

हड़ताल खत्म करने की कवायद-एसटी के 1135 और कर्मचारी हुए निलंबित, राज ठाकरे से मिले कर्मचारी

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एसटी महामंडल) के हड़ताल करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ लगातार तीसरे दिन कार्रवाई जा रही। गुरुवार को एसटी महामंडल प्रशासन ने 29 जिलों के 133 बस डिपो के 1135 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। इससे अभी तक राज्य में 2053 आंदोलनकारी कर्मचारी निलंबित हो चुके हैं। इस बीच एसटी महामंडल के कर्मचारियों का मुंबई के आजाद मैदान में आंदोलन जारी है। प्रदेश के परिवहन मंत्री तथा एसटी महामंडल के अध्यक्ष अनिल परब ने कहा है कि एसटी कर्मचारियों को यदि वेतन वृद्धि के बारे में सरकार से चर्चा करना है तो उन्हें हड़ताल खत्म करनी पड़ेगी। एसटी कर्मचारी हड़ताल खत्म करके चर्चा के लिए आएं। उनसे चर्चा के लिए हमारे दरवाजे खुले हैं। परब ने कहा कि सरकार ने बाम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर एसटी महामंडल को राज्य सरकार में विलय करने की मांग के बारे में अध्ययन के लिए मुख्य सचिव सीताराम कुंटे की अध्यक्षता में समिति का गठन कर दिया गया है। कुंटे समिति की रिपोर्ट के बाद सरकार एसटी महामंडल के विलय के संबंध में उचित फैसला करेगी लेकिन फिलहाल एसटी कर्मचारियों को कुंटे समिति के समक्ष ही अपनी मांगों को रखना पड़ेगा।

हमारी सत्ता आई तो देंगे आंदोलन संग्राम सैनिक का दर्जाः मुनगंटीवार

पूर्व मंत्री तथा भाजपा विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा की सत्ता आने के बाद एसटी महामंडल के निलंबित हुए सभी कर्मचारियों को आंदोलन संग्राम सैनिक का दर्जा दिया जाएगा। आंदोलन में कर्मचारियों को हुए नुकसान की दोगुना भरपाई की जाएगी। मुनगंटीवार ने कहा कि कांग्रेस-राकांपा ने विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र में एसटी कर्मचारियों को राज्य सरकार के कर्मचारियों की तरह सभी वेतन और भत्ते देने का वादा किया गया था। मुनगंटीवार ने कहा कि मेरी जानकारी के अनुसार कांग्रेस-राकांपा का घोषणा पत्र किसी हर्बल वनस्पति का सेवन किए बिना और क्रूज के ड्रग्स पार्टी में गए बिना तैयार किया गया था। यदि दोनों दलों ने बिना हर्बल वनस्पति और ड्रग्स के सेवन के घोषणा पत्र में वादा किया था तो सरकार एसटी कर्मचारी की महामंडल को विलय की मांग को स्वीकार करे। मुनगंटीवार ने कहा कि भाजपा पूरी ताकत के साथ कर्मचारियों के साथ खड़ी है। यदि सरकार की तरफ से आंदोलन में फूट डालने की कोशिश की जाएगी तो सरकार लोकतांत्रिक तरीके से भस्म हो जाएगी।

मुनगंटीवार ने कहा कि एसटी महामंडल 12 हजार करोड़ रुपए के संचित घाटे में हैं। लेकिन इसमें पिछले दो सालों में सरकार की गलत नीतियों के कारण एसटी महामंडल को 6 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। मुनगंटीवार ने कहा कि यदि सरकार ने यात्रा कर 17.5 प्रतिशत का 970 करोड़ रुपए एसटी महामंडल को वापस कर तो यह निगम मुनाफे में आ सकता है।

सहयोग नहीं कर रही सरकारः दरेकर

जबकि विधान परिषद में विपक्ष के नेता प्रवीण दरेकर ने कहा कि एसटी कर्मचारियों के हड़ताल मामले में सरकार की भूमिका अडियल नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि मंत्री परब का रुख एसटी कर्मचारियों का सहयोग करने की बजाय आंदोलन को भड़काने वाला है। एसटी कर्मचारियों को लगातार निलंबित किया जा रहा है। शिवसेना के समर्थन वाले एसटी यूनियन के लोग एसटी कर्मचारियों को ब्रिटिश नीति के तहत तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। इसके पहले बुधवार रात को भाजपा के विधायक गोपीचंद पडलकर और रयत क्रांति संगठन के अध्यक्ष सदाभाऊ खोत आंदोलनकारी कर्मचारियों के साथ आजाद मैदान में सोए थे।

राज ठाकरे से मिले एसटी कर्मचारी

एसटी कर्मचारियों के संगठन के पदाधिकारियों ने मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे से कृष्णकुंज में मुलाकात की। राज ने कहा कि मेरी पहली शर्त है कि सबसे पहले एसटी कर्मचारियों की आत्महत्या को रोका जाए। मैं आत्महत्या करने वालों का नेतृत्व नहीं करता।

किस जिले में कितने कर्मचारी निलंबित हुए

एसटी महामंडल ने गुरुवार को नागपुर के 30, भंडारा के 18, गडचिरोली के 34, चंद्रपुर के 5, वर्धा के 2, अकोला के 66, अमरावती के 50, बुलढाणा के 40, यवतमाल के 56, अहमदनगर के 20, धुलिया के 54, जलगांव के 91 नाशिक के 54, औरंगाबाद के 15, बीड़ के 67, जालना के 13, लातूर के 5, उस्मानाबाद के 22, परभणी के 5, मुंबई के 64, पालघर के 57, रायगड के 63, रत्नारिगी के 27, ठाणे के 73, कोल्हापुर के 15, पुणे के 138, सांगली के 44, सातारा के 2, सोलापुर के 5 कर्मचारियों को निलंबित किया है।

16 नवंबरः भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में राजनीति के अपराधिकरण पर पेश होगा प्रस्ताव

मुंबई। भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक 16 नवंबर को दादर स्थित मुंबई भाजपा कार्यालय वसंत स्मृति में होगी। बैठक में विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटील, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तथा प्रदेश भाजपा प्रभारी सी टी रवि समेत पार्टी के सांसद और विधायक मौजूद रहेंगे। आगामी विधानमंडल के शीतकालीन अधिवेशन, विधान परिषद की सात सीटों पर घोषित चुनाव और अगले साल होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सूत्रों के अनुसार प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में तीन प्रस्ताव पारित होगा। इसमें कोरोना महामारी से निपटने और देश में व्यापक टीकाकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अभिनंदन का प्रस्ताव भी शामिल है। प्रदेश की राजनीति में बढ़ते अपराधीकरण को लेकर एक प्रस्ताव रखा जाएगा। विधानसभा में विपक्ष के नेता फडणवीस ने राज्य के अल्पसंख्यक विकास मंत्री नवाब मलिक के खिलाफ अंडरवर्ल्ड के जुड़े लोगों से मुंबई के कुर्ला में जमीन खरीदने का आरोप लगाया था। इसके जवाब में मलिक ने फडणवीस पर मुख्यमंत्री रहते हुए अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया था। इन आरोप और प्रत्यारोपों के बीच प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में राजनीति में बढ़ते अपराधीकरण को लेकर प्रस्ताव रखने का भाजपा का फैसला अहम माना जा रहा है।

मायके जाने से नाराज पति ने धारदार हथियार से की पत्नी की हत्या

मुंबई के चेंबूर इलाके में एक पति ने अपनी पत्नी पर धारदार हथियार से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। दरअसल अक्षय जगदीश आटोले और आकांक्षा की शादी 2019 में हुई थी। उनका रिश्ता एक साल तक अच्छे से चला लेकिन बाद में कुछ चीज़ को लेकर दोनों में अनबन होने की वजह से आकांक्षा अपने घर चली गई। जगदीश उसे रोज़ मनाने जाता था, मगर आकांक्षा मानने को तैयार नहीं थी। इस बात को लेकर जगदीश को गुस्सा आया और फिर जगदीश ने प्लान कर आकांशा की हत्या कर दी।

नागपुर में हंसापुरी के गोदाम पर पुलिस का छापा

नागपुर। हंसापुरी इलाके में एक गोदाम में शहर पुलिस ने छापेमारी कर बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित गुटखा, तंबाकू जब्त किया है। यह कार्रवाई किसी राठोड़ नामक व्यक्ति के गोदाम पर किए जाने की खबर है। हालांकि इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम देर रात तक कार्रवाई में जुटी थी। गोदाम से कुछ बड़े तस्करों के नाम पुलिस के हाथ लगने की चर्चा है। सूत्रों की मानें तो इस बार पुलिस कुछ बड़े गुटखा, तंबाकू के तस्करों के नामों का पर्दाफाश करने की बात कर रही है। चर्चा यह भी है कि जिस गोदाम पर पुलिस ने छापा मारा, वह माल तुमसर के किसी पांडे नामक व्यक्ति का है, जो नागपुर में गुटखा तस्करी का सबसे बड़ा कारोबारी माना जाता है। उसका नागपुर में लंबे समय से माल आ रहा था। पहली बार उस पर पुलिस ने हाथ डाला है।

आंदोलनकर्ता एसटी के और 30 कर्मचारी निलंबित

नागपुर। एसटी बसों के कर्मचारियों के निलंबन का सिलसिला तीसरे दिन भी शुरू रहा। पहले दिन 18, दूसरे दिन 46 व गुरुवार को 30 कर्मचारियों को आरोप-पत्र के साथ निलंबित किया गया है। निलंबन का आदेश उन्हें डाक द्वारा घर भेजा गया है। निलंबन पीछे लेने तक उन्हें आधा वेतन दिया जाएगा। निलंबित कर्मचारियों को प्रति दिन उपस्थिति लगाना जरूरी रहेगा। लगातार डूबते राजस्व के कारण एसटी महामंडल प्रशासन ने गत तीन दिन में 94 कर्मचारियों को निलंबित किया है। गुरुवार को निलंबित 30 कर्मचारियों में वर्धमान नगर डिपो से 10, सावनेर डिपो से 10, उमरेड डिपो से 10 कर्मचारी शामिल हैं। इन सभी कर्मचारियों को 90 दिनों का निलंबन देकर आरोप पत्र सौंपा गया है। गुरुवार को आंदोलन के दौरान पूर्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले व पीपल्स रिपब्लिकन पक्ष के राष्ट्रीय अध्यक्ष जोगेंद्र कवाडे ने आंदोलन स्थल पर पहुंच आंदोलनकारियों के साथ होने का विश्वास दिखाया।

दोपहिया वाहन का कट लगा युवक पर किया चाकू से हमला

नागपुर। सदर क्षेत्र में दोपहिया वाहन का कट लगने की बात को लेकर हुए विवाद में 7 आरोपियों ने एक युवक से मारपीट की। पश्चात उस पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर जख्मी कर दिया। घायल संकेत संजय कनोजिया की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों पर धारा 143, 147, 148, 149, 323, 324, 504 व सहधारा 135 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तहसीलदार खंडारे निलंबित जाधव को अतिरिक्त प्रभार

नागपुर। जिलाधिकारी विमला आर. ने हिंगना के तहसीलदार संतोष खंडारे को निलंबित कर दिया है। हिंगना तहसीलदार पद का अतिरिक्त प्रभार नायब तहसीलदार ज्योति जाधव को सौंपा गया है। यह कार्रवाई राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर की गई है। तहसलीदार संतोष खंडारे को जिला परिषद व पंचायत समिति चुनाव में डिगडोह-इसासनी जिप सर्कल मतदान केंद्र में हुई गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था। उनके साथ नायब तहसीलदार संध्या खोडे व अन्य को भी निलंबित करने के आदेश निर्वाचन आयोग ने दिए थे। इस मामले में जिलाधिकारी को कनिष्ठ कर्मचारियों पर अपने स्तर पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

आगे बढ़ सकती है नागपुर अधिवेशन की तारीख

नागपुर। आगामी 7 दिसंबर से शुरू होने जा रहे विधानमंडल के नागपुर अधिवेशन को लेकर सस्पेंस बढ़ता जा है। पीडब्ल्यूडी को विधानमंडल की कामकाज सलाहकार समिति से किसी तरह के नए निर्देश नहीं मिलने से असमंजस बढ़ गया है। नियमानुसार, अधिवेशन के 45 दिन पहले समिति की बैठक होना अनिवार्य है, लेकिन अब अधिवेशन को सिर्फ 26 दिन बचे हैं, फिर भी बैठक नहीं हो पाई है। बड़ी वजह, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का बैठक के लिए समय नहीं मिलना है। मुख्यमंत्री का बैठक में होना अनिवार्य है। उनका निर्णय अंतिम होता है।

नासुप्र का कर्मचारी 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

नागपुर। सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारी से उसके दो प्लॉट की डिमांड व आरएल लेटर निकालने के बदले में 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए नागपुर सुधार प्रन्यास विभागीय कार्यालय पूर्व विभाग कलमना कार्यालय के चपरासी विजय गौरीनंदनसिंह चव्हाण (50) को एसीबी ने गिरफ्तार किया। एसीबी के दस्ते ने आरोपी को उसके ही कार्यालय में रिश्वत लेते कार्रवाई की। एक व्यक्ति हाल ही में शासकीय विभाग से सेवानिवृत्त हुआ है। वह इंद्रप्रस्थ नगर में रहता है। उसने वर्ष 2007-2008 के दरमियान मौजा भामटी परिसर में एक ले-आउट में दो प्लॉट खरीदे थे।

क्या बेहतर है "नौकरी या व्यवसाय?"

एक बिजनेसमैन के रूप में आप कितनी तेजी से कमा सकते हैं इसकी कोई सीमा नहीं है। जबकि जॉब में आपको अगली हाइक लेने के लिए एक निश्चित समय अवधि का इंतजार करना होगा, चाहे आप कितने भी अच्छे क्यों न हों।

किसी भी व्यवसाय शुरू करने से पहले यह एक आम धारणा है।

लेकिन इससे भी अधिक गहरे तथ्य हैं जिनका हमें निर्णय लेने से पहले विश्लेषण करने की आवश्यकता है।

आज हम आपको इन तथ्यों के बारे में बताएंगे जो आपको सही निर्णय लेने में मदद करेंगे।

जोखिम

नौकरी की तुलना में व्यवसाय में जोखिम अधिक होता है। नौकरी में एकमात्र जोखिम नौकरी से निकाले जाने का है। व्यापार में हर स्तर पर जोखिम होता है।

उदाहरण के लिए मूल्य वृद्धि, ग्राहक द्वारा भुगतान न करना, श्रमिकों द्वारा हड़ताल, धोखाधड़ी, आदि।

मुनाफा

यदि आप किसी नौकरी में काम करते हैं, तो आपको उस लाभ से कोई लाभ या हिस्सा नहीं मिलेगा जो आपके संगठन को प्राप्त होगा। आपको बस अपना निश्चित वेतन मिलेगा। यदि आप अपना खुद का व्यवसाय चलाते हैं, तो अर्जित होने वाला सारा मुनाफा सीधे आपके पास आएगा।

विकास

नौकरी में वृद्धि सीमित है। आपको केवल तभी वृद्धि मिलती है जब आप उच्च पद प्राप्त करते हैं। एक व्यवसाय आपको कई तरह से बढ़ने में मदद करता है। आपको धन वृद्धि और प्रसिद्धि दोनों मिलती है।

पैसे की शुरुआत

नौकरी में हर महीने आपको एक निश्चित वेतन मिलता है। यानी आप पहले दिन से ही कमाई शुरू कर देते हैं। व्यवसाय के लिए आपको पहले पैसा लगाना होगा। जरूरी नहीं है कि पहले दिन से ही आपको धन की प्राप्ति हो। व्यापार में शुरू में आपको घाटा हो सकता है।

आप वही कर रहे हैं जो आपको पसंद है

जब आप व्यवसाय करते हैं तो आप अपने सपनों का अनुसरण कर रहे होते हैं। आप जो व्यवसाय करते हैं वह काफी हद तक आपकी पसंद है। एक नौकरी में आप बड़े पैमाने पर किसी और के लिए काम कर रहे हैं और अपने मालिकों की पसंद के अनुसार काम करते हैं।

नियम

नौकरी में आपको अपने नियोक्ता द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करना होगा। आपको अनुशासन का पालन करना होगा। व्यवसाय में आप अपने नियम स्वयं निर्धारित कर सकते हैं।

छुट्टी

जब आप किसी और के लिए काम कर रहे होते हैं, तो आपको छुट्टी लेने से पहले अनुमति लेनी पड़ती है। व्यवसाय में आपको छुट्टी लेने से पहले किसी की अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है। व्यापार में आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि जब आप छुट्टी पर हों तो काम हमेशा की तरह चल रहा हो।

अनुभव

अनुभव आपको आसानी से व्यापार करने में मदद करेगा, यह आपको अच्छे निर्णय लेने में मदद करेगा। जब हम नौकरी के बारे में बात करते हैं तो अनुभव आपको बेहतर नौकरी और वेतन पाने में मदद करेगा। एक फ्रेशर के रूप में आप नौकरी शुरू कर सकते हैं लेकिन बिना अनुभव के व्यवसाय शुरू करना बहुत जोखिम भरा होगा।

आपको व्यवसाय कब शुरू करना चाहिए?

1. जब आपके पास पर्याप्त ज्ञान और अनुभव हो।
2. जब आपके पास अच्छा ग्राहक आधार हो।
3. जब आपके पास अच्छे संपर्क हों जो आपको आगे बढ़ने में मदद कर सकें।
4. जब आपके पास वेतन देने के लिए पर्याप्त पैसा हो, तो अपने व्यवसाय के खर्चों का भुगतान करें और यह मानकर अपना घर चलाएं कि आप अगले कुछ वर्षों तक कोई पैसा नहीं कमाएंगे।

व्यवसाय शुरू करने से पहले अपने प्रभाव के क्षेत्रों को समझें, उपभोक्ता की जरूरतों को समझें, बाजार की स्थितियों का मूल्यांकन करें, सुनिश्चित करें कि जब भी जरूरत हो आपको वित्तीय सहायता मिल सकती है।

जल्दबाजी में कोई भी निर्णय न लें, अनुभवी लोगों से समय पर सलाह लें और घबराएं भी नहीं।

व्यवसाय शुरू करने से पहले यह स्पष्ट कर लें कि आप क्या करेंगे और क्या नहीं करेंगे। एक साथ कई काम करने से आपको परेशानी होगी। व्यवसाय में आपको वित्त, कानूनी, अनुपालन, संरक्षक, विक्रेता, बाजार आदि जैसे कई पहलुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है। जब भी ठीक से योजना बनाई जाए और उचित अध्ययन किया जाए तो कोई भी व्यवसाय आपको अच्छा परिणाम दे सकता है।

अंत में याद रखें, यदि आपके पास अनुभव नहीं है, तो कुछ समय के लिए नौकरी करना बेहतर है, फिर व्यापार करें।

सावधान-इम्यूनिटी की दुश्मन मानी जाती हैं ये चार चीजें, कहीं आप भी तो नहीं करते हैं इनका ज्यादा सेवन?

कोविड महामारी के इस दौर ने लोगों को मजबूत इम्यूनिटी के महत्व के बारे में स्पष्ट रूप से समझा दिया है। इम्यूनिटी मजबूत होने का मतलब कई प्रकार की बीमारियों और संक्रमण का खतरा बिल्कुल कम होना।

अध्ययनों के मुताबिक जिन लोगों की इम्यूनिटी कमजोर होती है, उन्हें कोविड-19 के अलावा डायबिटीज और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों और इसकी जटिलताओं का खतरा अधिक होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखने के लिए पौष्टिक आहार के सेवन के साथ नियमित व्यायाम करना बहुत आवश्यक माना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक स्वस्थ और संतुलित आहार का हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली पर सीधा प्रभाव पड़ता है। यदि आहार संतुलित या स्वस्थ नहीं है तो यह न सिर्फ हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर बना सकती है, साथ ही इससे कई गंभीर बीमारियों का जोखिम भी बढ़ जाता है। आइए आगे की स्लाइडों में ऐसे ही कुछ चीजों के बारे में जानते हैं जिनका सेवन करना इम्यूनिटी को समय के साथ कमजोर बना देता है।

फास्ट फूड है हानिकारक

पिछले कुछ वर्षों में फास्ट फूड का सेवन काफी बढ़ा है। फास्ट फूड जैसे पिज्जा, बर्गर, फ्राइज आदि में अधिक मात्रा में कैलोरी और अस्वास्थ्यकर फैट होते हैं जो न सिर्फ प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करते हैं, साथ ही कई रोगों के जोखिम को भी बढ़ावा दे सकते हैं। डॉक्टर फास्ट फूड के सेवन को प्रतिबंधित करने की सलाह देते हैं। फास्ट फूड का ज्यादा सेवन मोटापे को बढ़ावा दे सकता है।

एडेड शुगर वाली चीजें

चॉकलेट, कैंडी और डेसर्ट सभी लोगों को पसंद होता है, हालांकि, इनका ज्यादा सेवन प्रतिरक्षा प्रणाली को समय के साथ कमजोर कर सकती है। शरीर में संक्रमण और तमाम तरह की बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। इसके अलावा एडेड शुगर वाली चीजें मोटापा, मधुमेह और कई अन्य क्रोनिक बीमारियों के जोखिम को भी बढ़ा देती हैं। प्रतिरक्षा प्रणाली को इन चीजों के ज्यादा सेवन से नुकसान पहुंच सकता है।

रिफाइंड खाद्य पदार्थ से करें परहेज

सफेद ब्रेड और पास्ता जैसी चीजों को रिफाइंड खाद्य पदार्थों की श्रेणी में रखा जाता है। इन खाद्य पदार्थों के नियमित रूप से सेवन से आंत के माइक्रोबायोम में असंतुलन हो सकता है। ऐसे में न केवल लोगों को पाचन की समस्या होती है, साथ ही यह इम्यूनिटी को भी कमजोर कर देता है। रिफाइंड खाद्य पदार्थ के ज्यादा सेवन को डॉक्टर कई प्रकार से बेहद नुकसानदायक मानते हैं।

शराब से तुरंत बना लें दूरी

शराब को शरीर के लिए बहुत ही नुकसानदायक माना जाता है। बहुत अधिक मात्रा में या रोजाना शराब का सेवन करने वाले लोगों की प्रतिरक्षा प्रणाली काफी कमजोर हो जाती है। इसके अलावा शराब, लिवर को नुकसान पहुंचाने, संज्ञानात्मक कार्य को बिगाड़ने और शारीरिक क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। शराब से तुरंत दूरी बना लेनी चाहिए।

विशेषज्ञों की सलाह-प्रदूषित वातावरण में व्यायाम करना हो सकता है नुकसानदायक, इन बातों का रखें खास ख्याल

कोरोना काल में बीमारी से अलग हट कर देखें तो सुखद अनुभव देने वाली सिर्फ एक ही बात सामने आई वह थी- वातावरण की शुद्धता और प्रकृति। पंछियों को तादाद बढ़ी, नदियां साफ होने लगीं, हवा में हानिकारक तत्वों का प्रतिशत घटने लगा, पेड़-पौधे खुलकर सांस लेने लगे। सड़कों पर धुआं छोड़ने वाली गाड़ियों का अंबार नहीं था, फैक्ट्रियों से निकलने वाला धुआं नहीं था और लोग घरों में बंद थे। लॉकडाउन खुलने के बाद फिर से जब चीजें पुरानी ट्रैक पर लौटींतो साथ में प्रदूषण का संकट भी बढ़ने लगा। जाहिर है कि कामकाज को रोका नहीं जा सकता लेकिन प्रदूषण को रोकने के लिए जागरूकता और सतर्कता बहुत जरूरी है। बहरहाल, बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय है। देश में प्रदूषण भले ही दिल्ली को सबसे ज्यादा परेशान कर रहा हो, लेकिन यह हर किसी के लिए खतरनाक है। असल में प्रदूषण उन चीजों पर भी प्रभाव डालता है जिन्हें हमने अपनी सेहत बनाने के लिए अपनाया है। खासकर कोरोना के हमले के बाद से लोग फिटनेस को लेकर बहुत गंभीर हो रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि प्रदूषण आपके इस कदम पर भी बुरा प्रभाव डाल सकता है?

प्रदूषित वातारण में व्यायाम रेग्युलर फिजिकल एक्टिविटी केवल वजन कम करने के लिए ही जरूरी नहीं है, इससे शरीर के सारे फंक्शन्स सुचारू बनाए रखने में भी बहुत मदद मिलती है। एक्सरसाइज या फिजिकल एक्टिविटी इम्युनिटी बूस्ट करने के साथ डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, थायरॉइड जैसी लाइफस्टाइल सम्बन्धी बीमारियों को नियंत्रित करने में भी मददगार साबित होती हैं। ब्रिस्क वॉक यानी तेज चलने को आउटडोर एक्सरसाइज का सबसे अच्छा तरीका माना जाता है। इससे फेफड़ों सहित पूरे शरीर को भरपूर ऑक्सीजन मिलती है। लेकिन अगर हवा में हानिकारक तत्व मिले हुए हों तो फायदे की जगह यही ब्रिस्क वॉक परेशानी खड़ी कर सकती है। भले ही आप इसे घर की छत पर ही क्यों न कर रहे हों। दूषित वातावरणि वशेषकर उन लोगों को ज्यादा नुकसान पहुंचाता है जो पहले से किसी विशेष शारीरिक परिस्थिति से गुजर रहे हैं, जैसे कि अस्थमा, डायबिटीज, हृदय सम्बन्धी दिक्कतें या फेफड़ों की समस्या आदि। इन लोगों पर प्रदूषण से भरी हवा केवल एक्सरसाइज के दौरान ही नहीं बल्कि रोजमर्रा के दौरान घर से निकलने पर भी बुरा असर डाल सकती है।

सर्दियों में रोज खाइए यह एक फल, हृदय रोग और त्वचा की समस्याएं होंगी दूर

संतरा, दुनियाभर में सबसे पसंदीदा फलों में से एक हैं। सर्दियों के मौसम में संतरे बहुतायत मात्रा में उपलब्ध होते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक रोजाना संतरे का सेवन करना सेहत के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। संतरे में पाए जाने वाले विटामिन्स और पोषक तत्व कई तरह की बीमारियों के जोखिम को कम कर सकते हैं। संतरा में फाइबर, विटामिन-सी, थायमिन, फोलेट और एंटीऑक्सिडेंट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, शरीर के लिए इनको बेहद आवश्यक माना जाता है।अध्ययनों के मुताबिक कोरोना को इस दौर में विटामिन-सी युक्त चीजों के सेवन पर

ज्यादा जोर दिया जा रहा है। संतरे विटामिन सी का उत्कृष्ट स्रोत हैं, इससे विटामिन-सी के दैनिक आवश्यकताओं की 100 फीसदी तक की पूर्ति की जा सकती है। संतरे, जैसे खट्टे फल साइट्रिक एसिड और साइट्रेट से भी भरपूर होते हैं, यह किडनी की पथरी को बनने से रोकने के साथ सेहत के लिए कई अन्य तरह से भी फायदेमंद हो सकता है। आइए आगे की स्लाइडों में संतरे से होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं।हृदय रोगों में फायदेमंदहृदय रोग, मौजूदा समय में दुनियाभर में असमय मृत्यु के सबसे आम कारणों में से एक है। अध्ययनों से पता चलता है कि संतरे का सेवन हृदय रोगों के खतरे को कम कर सकता है। संतरे मेंफ्लेवोनोइड्स नाम का एक तत्व पाया जाता है जो हृदय रोग के खतरे को कम कर सकता है। मनुष्यों पर किए गए नैदानिक अध्ययनों से पता चलता है कि चार सप्ताह तक संतरे का रोजाना सेवन, रक्त को पतला करने के साथ ब्लड प्रेशर को कम करने में सहायक हो सकता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

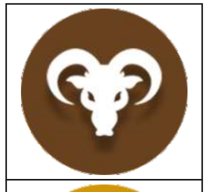
मेष : कॅरियर के लिहाज से नवंबर का दूसरा सप्ताह अच्छा बीतने वाला है। प्रत्येक कार्यक्षेत्र में सफल होंगे। आर्थिक मामलों में लाभ की स्थिति में रहेंगे। अनेक साधनों से आय होगी। उधार दिया हुआ पैसा लौट आएगा। प्रेम संबंधों में सुधार आएगा। जीवनसाथी के साथ प्रेम बढ़ेगा। नौकरीपेशा लोगों को काम की अधिकता रहेगी।

वृषभ : कारोबारियों को व्यवसाय में लाभ की स्थिति बनेगी। नया कार्य प्रारंभ करने का सही वक्त है। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में लोकप्रिय होंगे। आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी। शेयर मार्केट, कमीशन का कार्य करने वालों को लाभ मिलेगा। प्रेम संबंधों के लिए समय अच्छा है। पारिवारिक जीवन में मांगलिक कार्य होंगे।

मिथुन : जो लोग अभी-अभी जॉब में लगे हैं उनके लिए सप्ताह महत्वपूर्ण है। नए अवसरों के साथ नई चुनौतियां भी सामने आएंगी। कार्यक्षेत्र में किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने में सफल होंगे। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा। परिवार में धार्मिक, मांगलिक कार्य होंगे। आर्थिक स्थिति प्रबल होगी। अविवाहितों के विवाह की बात बनते-बनते रह जाएगी।

कर्क : आर्थिक मामलों के लिए समय शुभ है। बिजनेस में विस्तार, नौकरी में लाभ। परिवार और दोस्तों का सहयोग मिलेगा। भूमि, भवन, संपत्ति, वाहन संबंधी कार्य पूरे हो जाएंगे। भाइयों से पैतृक संपत्ति के मामले सुलझेंगे। प्रेम संबंध विवाह में बदल जाएंगे। मानसिक उलझनें समाप्त होंगी और सही निर्णय लेने में सफल होंगे।

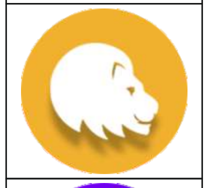
सिंह : नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर अधीनस्थों से सहयोग मिलने में संदेह रहेगा। किसी बात पर लोग आपका विरोध करेंगे। मानसिक परेशानियां आएंगी। आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी। पैसों और प्रॉपर्टी में निवेश कर सकते हैं। आय के नए स्रोत मिल सकते हैं। परिवार के साथ किसी मनोरंजक यात्रा पर जा सकते हैं।

कन्या : व्यापारियों को बिजनेस में अच्छे लाभ की संभावना बन रही है। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन मिल सकता है। कार्य की सराहना होगी। साझेदारी के कार्यो से लाभ के अवसर आएंगे। अविवाहितों के विवाह की बात बनने के योग हैं। शेयर मार्केट, कमोडिटी बाजार, प्रॉपर्टी में निवेश फायदेमंद होगा। भूमि, भवन खरीदने के योग हैं।

तुला : यदि आप अच्छी नौकरी की तलाश में हैं तो जल्द ही कोई अच्छी सूचना मिल सकती है। नौकरीपेशा लोगों को उच्चाधिकारियों के साथ अच्छी पटरी बैठेगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य में परिवार के लोगों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में सतर्क रहें। कोई बड़ा निवेश न करें।

वृश्चिक : सप्ताह मिलाजुला रहेगा। इस सप्ताह कुछ कार्य अच्छे होंगे तो कुछ अटक भी सकते हैं। बिजनेस में विस्तार और वृद्धि के लिए नए प्रयोग करें। मित्रों के साथ किसी बात पर मतभेद हो सकता है। भाई-बंधुओं से संबंध बिगड़ सकते हैं। धन संबंधी किसी बड़े निवेश में परिवार के वरिष्ठ और अनुभवी लोगों की मदद लें।

धनु : परिवारिक माहौल सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत को सराहा जाएगा। धन लाभ के अच्छे योग हैं। जीवनसाथी के साथ मनमुटाव दूर होगा। सेहत ठीक रहेगी। इस सप्ताह संतान पक्ष की गतिविधियों पर नजर रखने की आवश्यकता है। ध्यान रखें वे किसी गलत संगत में न पड़ें। नए भूमि, भवन, संपत्ति, वाहन खरीदने के योग बन रहे हैं।

मकर : नवंबर के इस सप्ताह में आपके मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक प्रगति के योग हैं। चाहे बिजनेस हो या नौकरी इस सप्ताह आपको लाभ ही मिलेगा। नया कार्य प्रारंभ करना चाहते हैं तो जरूर करें वक्त आपके पक्ष में है। विद्यार्थियों के लिए सप्ताह अच्छा है। दांपत्य जीवन में वैचारिक मतभेद दूर होंगे। धार्मिक कार्यो में हिस्सा लेंगे।

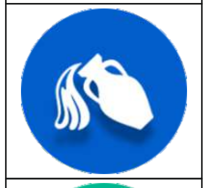
कुंभ : कार्यक्षेत्र में अपनी टीम और अधीनस्थों के साथ मिलकर आगे बढ़ें। आपके प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होने वाली है। लोग आपकी बात मानेंगे और आपसे पूछकर ही काम करेंगे। धन संबंधी मामलों के लिए समय अनुकूल है। नया भूमि, भवन वाहन खरीद सकते हैं। पारिवारिक जीवन में लाभ प्राप्त होगा। बाहरी खानपान का ध्यान रखें।

मीन : कॅरियर इस सप्ताह रफ्तार पकड़ेगा। नौकरीपेशा को तरक्की मिलेगी। कारोबारी कार्य विस्तार करेंगे। उच्चाधिकारियों से संबंध मधुर बनेंगे। अधीनस्थों को साथ लेकर चलना होगा। प्रेम संबंध, दांपत्य जीवन के लिए सप्ताह अच्छा है। किसी विशेष कार्य के पूरा हो जाने से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक समस्याओं का समाधान होगा।

चुटकुले

साली जीजा से कहती है- जीजा जी, मेहमान आ रहे हैं और घर में लौकी के सिवाय कुछ बना नहीं है।
जाजी- साली जी कोई बात नहीं, जब वे आएं तो किचन में एक बर्तन गिरा देना, और
जब मैं पूछू तो कहना कि मटर पनीर गिर गई
फिर दूसरा बर्तन गिराना और कहना
छोले भी गिर गए
इसके बाद मैं कहूंगा चलो लौकी ही ले आओ...
जब मेहमानों घर आए तब बर्तन गिरने
की आवाज़ आई,
जीजा- क्या हुआ साली जी?
साली- जीजा जी, लौकी ही गिर गई

एक पुलिस इंस्पेक्टर के घर चोरी हो रही थी।
उसकी पत्नी- अरे उठो जी, घर में चोर आ गए और चोरी हो रही है।
पुलिस इंस्पेक्टर ने नींद में कहा- यार, मुझे सोने दो, अभी मेरी ड्यूटी का समय नहीं हुआ है।

16,000 गांवों, पांच शहरों में 100 फीसदी आबादी को टीका की पहली खुराक मिली

अहमदाबाद, गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बुधवार को बताया कि राज्य के 16,000 से अधिक गांव और पांच नगर निगम की 100 फीसदी पात्र आबादी को कोविड-19 टीके की पहली खुराक लगायी जा चुकी है। गांधीनगर में पत्रकारों से बातचीत में पटेल ने कहा कि भावनगर, गांधीनगर, सूरत, जूनागढ़ और राजकोट में सभी पात्र लोगों को कोविड-19 टीके की पहली खुराक लगायी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा करीब 18,500 गांवों में से 16,109 गांवों के निवासियों को अभी तक टीके की पहली खुराक लगायी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि जूनागढ़, अहमदाबाद, तापी और महिसागर में भी 100 फीसदी लोगों को टीके की पहली खुराक लगायी जा चुकी है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, गुजरात में करीब 4.93 करोड़ वयस्क नागरिक हैं जिन्हें कोविड का टीका लग सकता है। मंत्री ने कहा कि करीब 4.50 करोड़ लोगों ने टीके की पहली खुराक लगवा ली है और 2.71 करोड़ लोगों का पूर्ण टीकाकरण (दोनों खुराक) हो चुका है।

गुजरात में पुलिस कांस्टेबल के 10,459 पदों के लिए 11.75 लाख आवेदन

अहमदाबाद, गुजरात लोकरक्षक भर्ती बोर्ड को पुलिस कांस्टेबल के 10,459 पदों पर भर्ती के लिए 11.75 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। बोर्ड ने हाल में निशस्त्र एवं सशस्त्र कांस्टेबल (पुरुष और महिला) और राज्य रिजर्व पुलिस बल कांस्टेबल (पुरुष) की भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। आवेदन देने की आखिरी तारीख नौ नवंबर थी। पुरुषों के 8,476 और महिलाओं के 1,983 पदों सहित कुल 10,459 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले लोग इन पदों के लिए आवेदन करने के पात्र थे। लोकरक्षक भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष हंसमुख पटेल ने कहा, '' कुल 11.75 लाख आवेदन मिले हैं।'' उन्होंने बताया कि मंगलवार तक मिले आवेदनों में से 9.10 लाख को स्वीकार किया गया है, जिनमें से 6.65 लाख उम्मीदवार पुरुष और 2.45 लाख महिलाएं हैं। आवेदनों की अंतिम संख्या नौ लाख के आसपास रह सकती हैं। परीक्षा पत्र लीक होने के कारण पिछले साल भर्ती प्रक्रिया रद्द कर दी गई थी। पटेल ने बताया कि आवेदकों की फीस 12 नवंबर तक स्वीकार की जाएगी और आवेदकों के डाटा विश्लेषण के बाद, उम्मीदवारों को शारीरिक परीक्षा के लिए 20 नवंबर के आसपास पत्र जारी किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद चयनित लोगों की लिखित परीक्षा होगी, जो अगले साल मार्च के पहले सप्ताह में होगी।

पैसों के लिए की बुजुर्ग दंपती कि हत्या

अहमदाबाद, गुजरात के अहमदाबाद शहर में एक बुजुर्ग दंपति की हत्या के सिलसिले में पुलसि ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलसि ने झारखंड के दो मजदूरों को मंगलवार को गिरफ्तार किया। क्राइम ब्रांच के डीसीपी चैतन्या मांडलिक ने बताया कि गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए शहर की क्राइम ब्रांच ने आरोपी मुकुट और इमान को गिरफ्तार कर लिया। ये दोनों ही झारखंड के खूंटी के रहने वाले हैं और पैसों के लिए बुजुर्ग की हत्या की थी। पुलसि की पूछताछ में आरोपयिों ने गुनाह कबूल कयिा है।

88 करोड़ रुपये की ड्रग्स के साथ एक अरेस्ट

गांधीनगर, गुजरात पुलसि को राज्य में नशीले पदार्थों की तस्करी करने के मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पहले कच्छ के मुंद्रा बंदरगाह से करोड़ों रुपये के ड्रग्स जब्त किए जाने के बाद अब गुजरात पुलिस ने एक और मादक पदार्थ जब्त किया है। इसमें 88 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की लगभग 17 किलोग्राम नशीला पदार्थ जब्त किया गया है। माना जा रहा है कि यह ड्रग्स समुद्र के रास्ते राज्य में लाया गया था। द्वारका के एसपी सुनील जोशी ने बताया कि अभी हम मामले की जांच कर रहे हैं और मैं केवल इतना कह सकता हूं कि द्वारका जिले की वाडीनार पुलिस ने लगभग 14-15 किलो ड्रग्स को जब्त किया है और हमने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। ऐसा लगता है कि समुद्र के रास्ते ड्रग्स को राज्य में लाया गया है, लेकिन हम मामले की जांच कर रहे हैं।

ब्रेन डेड युवक के अंगदान से कई लोगों को मिली नई जिंदगी

अहमदाबाद, गुजरात के अहमदाबाद सिविल अस्पताल में बिहार के एक ब्रेन डेड युवक के अंगों के दान से छह लोगों को नई जिंदगी मिली है। 19 वर्षीय युवक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसके बाद अहमदाबाद सिविल अस्पताल में उसके परिजनों की सहमति से अंगदान किया गया। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के सुपरिटेंडेंट राकेश जोषी ने बताया कि 19 वर्षीय दीपक अशोक राम प्रसाद मूल बिहार के शिवपुर जिले का रहने वाला था। उसका पूरा परिवार राजकोट में रहता है। बीते दिनों दीपक सड़क हादसे में घायल हो गया। उसे उपचार के लिए पहले राजकोट सिविल अस्पताल भर्ती कराया गया, लेकिन तबीयत में कोई सुधार नहीं होने से अहमदाबाद सिविल अस्पताल में शिफ्ट किया गया। आठ नवंबर को उसे ब्रेन डेड घोषित किया गया। राकेश जोषी ने बताया कि परिजनों से अंगदान की सहमति मिलने के बाद युवक के दिल, फेफड़ा, किडनी और लिवर का दान किया गया। उन्होने बताया कि पिछले 10 महीने में अहमदाबाद सिविल अस्पताल में 18 ब्रेन डेड लोगों के अंगदान से 50 लोगों का जीवन बचाया गया है।

गुजरात में इंसाफ का सबसे फास्ट ट्रैक:4 वर्षीय बच्ची को न्याय देने के लिए कोर्ट ने 5 दिन लगातार सुनवाई की, दुष्कर्मी को अंतिम सांस तक उम्र कैद की सजा सुनाई

गुजरात में संभवतः पहली बार किसी दुष्कर्मी को 5 दिन की सुनवाई के बाद के कोर्ट ने आरोपी को आखिरी सांस तक आजीवन कैद की सजा सुनाई है। सचिन जीआईडीसी में 4 साल की बच्ची का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले हनुमान निषाद को आजीवन कैद की सजा के साथ एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। सचिन जीआईडीसी की पॉक्सा मामलों की विशेष कोर्ट ने आदेश दिया कि नालसा विक्टिम कंपनसेशन स्कीम के तहत उसे 15 लाख रुपए मुआवजा देना होगा।

पॉक्सा कोर्ट के एडिशनल सेशंस और स्पेशल पॉक्सा जज पीएस काला ने गुरुवार को यह आदेश दिया। 5 दिन की सुनवाई में 35 गवाहों के बयान हुए। कोर्ट में सरकारी पक्ष द्वारा मुख्य जिला सरकारी वकील नयन सुखड़वाला और राजेश डोबरिया ने दलील की थी। 12 अक्टूबर को सुबह 9.30 बजे तिरुमला पार्क के पास आरोपी ने 4 साल की बच्ची को फ्रूट सलाद का लालच दिया। फिर बच्ची को सिद्धि विनायक इंडस्ट्रियल पार्क की दीवार के पीछे झाड़ियों में ले गया व दुष्कर्म किया। खून से लथपथ मासूम जब रोने लगी तो आरोपी ने उसका गला दबाकर हत्या की कोशिश भी की।

ऐसे चली कोर्ट की कार्रवाई

12 अक्टूबर की सुबह 9:30 बजे बच्ची का अपहरण और उसी दिन शाम को वह पुलिस को झाड़ियों से मिली। 13 अक्टूबर की रात 3 बजे आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसी

दिन आरोपी को कोर्ट में पेश कर 7 दिन के रिमांड लिया और 21 अक्टूबर को चालान पेश कर दिया। 25 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक लगातार 12 घंटे तक सुनवाई हुई। इन धाराओं में सुनाई सजा आईपीसी की धारा 363- 7 साल की सजा और 1000 रुपए जुर्माना आईपीसी की धारा 307- 5 साल की सजा और 1000 रुपए जुर्माना आईपीसी की धारा 323- 1 साल की सजा और 1000 रुपए जुर्माना आईपीसी की धारा 376- आजीवन कैद की सजा और एक लाख रुपए जुर्माना और ना भरने पर 2 साल की सजा

5 दिन लगातार चली कोर्ट

सचिन जीआईडीसी दुष्कर्म मामले में कोर्ट ने 25 अक्टूबर से लेकर 29 अक्टूबर तक रोजाना 12 घंटे तक सुनवाई की थी। सुबह 11 बजे से सुनवाई शुरू हा जाती थी, जो रात को 11 से 12 बजे तक चलती थी। 5 दिनों में सुनवाई पूरी कर ली गई। इसके बाद कोर्ट में दिवाली की छुट्टी हो गई थी। बुधवार को कोर्ट शुरू हुआ गुरुवार को आरोपी को सजा सुना दी गई। फॉरेंसिक साइंस लेबोरेट्री ने 8 दिन में दी रिपोर्ट एफएसएल के मुताबिक 8 दिन में ही पुलिस को सभी रिपोर्ट दे दी। इसमें बायोलॉजिकल व सेरोलॉजी परीक्षण, डीएनए और एफएसएल की एग्जामिनेशन रिपोर्ट व एफएसएल की सीसीटीवी फुटेज परीक्षण शामिल था। पुलिस ने साइंटिफिक और 53 दस्तावेजी सबूत इकट्ठा किए 12 अक्टूबर की सुबह 9:30 बजे बच्ची का अपहरण हुआ था। इसके बाद परिजनों ने उसे ढूंढना शुरू किया। दोपहर 1:30 बजे के आसपास उसके माता-पिता पुलिस स्टेशन पहुंचे। आरोपी का◌ पकड़ने के लिए आसपास के इलाकों पांडेसरा, सचिन और सचिन जीआईडीसी के 300 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले। उसी रात बच्ची झाड़ियों से मिली। जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया। 13 अक्टूबर को रात 3 बजे के करीब आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसे 7 दिनों के रिमांड पर लिया गया। पुलिस ने साइंटिफिक सबूत इकट्ठा किए और 21 अक्टूबर को चार्जशीट पेश कर दी गई। इसके अलावा 53 दस्तावेजी सबूत भी पुलिस ने कोर्ट में पेश किए थे। - जेके पंड्या, एसीपी, एफ डिवीजन

गुजरात में कोविड-19 के 40 नए मामले, एक भी मौत नहीं

अहमदाबाद, गुजरात में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस के 40 नए मामले आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 8,26,866 पर पहुंच गयी, जबकि इस महामारी से किसी और मरीज की मौत नहीं हुई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, बृहस्पतिवार को अस्पतालों से 21 लोगों को छुट्टी दिए जाने के बाद संक्रमण मुक्त हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 8,16,542 हो गयी है। गुजरात में अब कोविड-19 के 234 मरीज उपचाराधीन हैं, जिनमें से सात वेंटीलेटर पर हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मृतकों की संख्या 10,090 है और पिछले 24 घंटों में किसी की मौत नहीं हुई है। गुजरात में अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 7.33 करोड़ खुराक दी जा चुकी है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नागर हवेली, दमन और दीव में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 का कोई नया मामला नहीं आया। केंद्र शासित प्रदेश में अभी तक 10,654 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। गुजरात में कोविड-19 के आंकड़ें इस प्रकार हैं : संक्रमण के कुल मामले 8,26,866, नए मामले 40, मौत की कुल संख्या 10,090, संक्रमण मुक्त लोगों की संख्या 8,16,542 और उपचाराधीन मरीजों की संख्या 234 है।

अहमदाबाद में केवडिया जैसा स्वास्थ्य वन बनेगा:शीलज में 7.50 करोड़ खर्च से एक साल में बनकर होगा तैयार; अहमदाबाद मनपा ने मिशन मिलीयन ट्री अभियान शुरू किया

अहमदाबाद शहर को अब ग्रीनकवर करने के लिए अहमदाबाद मनपा की ओर से मिशन मिलीयन ट्री अभियान शुरू किया गया है। मनपा के प्लॉट तथा गार्डेन में अधिक से अधिक वृक्षों का रोपण किया जा रहा है। जिससे शहर के ग्रीन कचव में बढ़ोत्तरी होने लगी है। केवडिया में तैयार हुए वन को ध्यान में रखते हुए मनपा ने भी अहमदाबाद में स्वास्थ्य वन तैयार करने का निर्णय लिया है। शीलज तालाब के पास 7.50 करोड़ रुपए के खर्च से स्वास्थ्य वन बनाया जाएगा। इस वन में स्वास्थ्य से जुड़ी दवाईया◌ का भी रोपन किया जाएगा।

स्वास्थ्य वन बनाने के लिए टेंडर गार्डेन विभाग द्वारा जारी किया गया है। दिसंबर में खुलेगा टेंडर: मनपा के गार्डेन विभाग के डायरेक्टर जिग्नेश पटेल ने भास्कर के साथ बातचीत में बताया कि शीलज गांव तालाब के पास 20 हजार वर्ग मीटर जमीन पर स्वास्थ्य वन बनाया जाएगा। जिसका टेंडर जारी किया गया है। दिसंबर में टेंडर खुलेगा और एक साल के भीतर यह स्वास्थ्य वन बनकर तैयार हो जाएगा। इस वन में स्वास्थ्य से जुड़ी सभी दवाईयों के पौधों का रोपण किया जाएगा। 60 से अधिक विभिन्न जाति के 5 हजार से भी अधिक पौधे यहां पर लगाए जाएंगे। मिशन मिलीयन ट्री का लक्ष्यांक: अहमदाबाद शहर के ग्रीन कवर में बढ़ोत्तरी हो इसलिए कॉर्पोरेशन द्वारा पिछले तीन सालों से मिशन मिलियन ट्री के लक्ष्यांक को सिद्ध किया जा रहा है। जापान मियावांकी पद्धति से गोता और बापुनगर में एक ही दिन में बड़ी संख्या में वृक्षारोपण किया गया है। शहर में विकास के नाम पर धड़ल्ले से वृक्षों की कटाई होती थी, इसकी संख्या कम करने सहित बड़े वृक्षों को रि-प्लांट करने के भी प्रयास किए जा रहे है।

सीएम के साथ धोखा-भुज में कमलम फ्रूट से गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को तोला गया, बॉक्स खोले 'कमलम' की जगह 'केले' निकले

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ 'धोखा' हो गया। दरअसल भुज शहर में बुधवार को आयोजित एक क्रार्यक्रम में कमलम फ्रूट (ड्रैगन फ्रूट) से तोलकर उनका स्वागत हुआ। लेकिन, कार्यक्रम समाप्ति के बाद जब फ्रूट के बॉक्स खोले गए तो उनमें से कमलम की जगह केले निकले। अब यह मामला गुजरात में चर्चा का विषय बना हुआ है।

स्नेह मिलन समारोह में पहुंचे थे सीएम

सीएम भूपेंद्र पटले बुधवार को कच्छ की यात्रा पर थे। इसी के चलते भाजपा नेताओं ने उनके स्वागत में स्नेह मिलन क्रार्यक्रम का आयोजन किया था। सीएम के स्वागत के लिए ड्रैगन फ्रूट मंगवाए गए थे, जिससे उनकी तुला की गई। करीब आधे घंटे बाद सीएम रवाना हो गए थे। इसके बाद फ्रूट वितरण के लिए बॉक्स खोले गए, लेकिन एक बॉक्स को छोड़कर सभी में से केले निकले।

एक बॉक्स को छोड़कर सभी में से केले निकले।

सुरक्षा पर सवाल

सीएम की सुरक्षा के मद्देनजर कार्यक्रम में आने वाले सभी लोगों के बैग तक चेक किए गए थे। लेकिन किसी ने भी फ्रूट के बॉक्स चैक करने की जहमत नहीं उठाई। इसी के चलते अब सीएम की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं कि पहले ही बॉक्स चैक क्यों नहीं किए गए।

गुजरात में 'ड्रैगन' फ्रूट का नाम 'कमलम'

बता दें, करीब तीन महीने पहले ही 'ड्रैगन' फ्रूट का नाम 'कमलम' कर दिया गया है। गुजरात में इसका भरपूर उत्पादन होता है और विदेशों में भी इस फल की काफी डिमांड है। इसकी कीमत 100 रुपए प्रति किलो के आसपास होती है।

सूरत में बच्ची से रेप एंड मर्डर:आरोपी के मोबाइल में अश्लील क्लिप डालने वाला दुकानदार भी गिरफ्तार, 300 रुपए में बेचता था मेमोरी कार्ड

सूरत के वडोद में दो संतानों के पिता ने मोबाइल में अश्लील क्लिप देखने के बाद ढाई साल की बच्ची का अपहरण कर दुष्कर्म, कुकर्म करने के बाद मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी के बाद अब उसके मोबाइल में अश्लील क्लिप डालने वाले दुकानदार को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को मोबाइल की दुकान से कई अश्लील क्लिप मिली हैं। पांडेसरा के वडोद गांव में स्थित आशीर्वाद नगर में जय अंबे मोबाइल की दुकान है। दुष्कर्म के आरोपी गुड्डू कुमार ने 6 महीने पहले इसी दुकान से 300 रुपए में मेमोरी कार्ड खरीदा था। दुकानदार का नाम लक्की उर्फ सागर विजय शाह है और वह पांडेसरा के हरिओम नगर में रहता है। पांडेसरा पुलिस ने दुकान में दबिश दी तो मेमोरी कार्ड से 7 अश्लील क्लिप मिली। दुकानदार अश्लील क्लिप वाली मेमोरी कार्ड 300 रुपए में बेचता था। पुलिस ने दुकानदार को गिरफ्तार कर दुकान से मेमारी कार्ड और सीपीयू जब्त कर लिया है। पुलिस आगे की जांच कर रही है। पुलिस ने आरोपी को साथ लेकर घटना का रि-कन्ट्रक्शन किया दिवाली को रात में पांडेसरा के वडोद गांव से ढाई साल की बच्ची लापता हा गई थी। चार दिन बाद झाड़ी से उसका सड़ा हुआ शव मिला था। फॉरेंसिक पोस्टमार्टम में बच्ची के साथ दुष्कर्म, कुकर्म और मुंह दबाकर हत्या करने की पुष्टि हुई थी। पांडेसरा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर तीन दिन की रिमांड पर लिया है। पुलिस ने बुधवार को आरोपी को साथ लेकर घटना का रि-कन्ट्रक्शन किया।

सूरत पुलिस ने राजस्थान के एक करोड़पति व्यापारी को मादक द्रव्यों की तस्करी के मामले में किया गिरफ्तार

अहमदाबाद, सूरत पुलिस ने राजस्थान के एक करोड़पति व्यापारी को मादक द्रव्यों की तस्करी करने के मामले में गिरफ्तार किया है। वहीं एक अन्य को एंटी ड्रग्स की तस्करी के मामले में पकड़ा है। आरोपी भगवती प्रसाद बिश्नोई जोधपुर के नामी व्यापारी हैं पुलिस ने उन्हें डोडा पोस्त की तस्करी के मामले में पकड़ा है। जोधपुर में करोड़ों की कीमत के मॉल्स एवं पेट्रोल पंप का मालिक है। गुजरात पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की एक टीम को किसी ने सूचना दी थी की राजस्थान के जोधपुर का एक व्यापारी भगवती प्रसाद राजस्थान से डोडा पोस्त लेकर आया है तथा सूरत के एक बाजार में वह इसकी डिलीवरी देने वाला है। एसओजी की टीम ने जाल बिछाकर भगवती प्रसाद को दबोच लिया। राजस्थान में वर्ष 2002 से 2015 तक आरोपी सरकार से लाइसेंस लेकर डोडा पोस्त का व्यापार करता था बाद में सरकार ने इस पर रोक लगा दी जिसके बाद वह अभी तरीके से इसकी तस्करी करने लगा। भगवती प्रसाद राजस्थान में डोडा पोस्त की बिक्री व तस्करी के चार मामलों में वांछित है। जबकि दूसरा आरोपी राजस्थान के भीनमाल से एमडी की खेप पहुंचाने के लिए आया था, सूरत. स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप पुलिस

(एसओजी) ने पिछले चौबिस घंटों में मादक पदार्थो की अवैध तस्करी व बिक्री के अलग अलग रैकेट से जुडे राजस्थान के इन दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनमें से एक भीनमाल से प्रतिबंधित एमडी ड्रग की खेप सूरत पहुंचाने के लिए आया था। शहर पुलिस आयुक्त अजय तोमर ने बताया कि राजस्थान के जालोर जिले के भीनमाल थानाक्षेत्र के दांतीवास गांव निवासी प्रवीण कुमार वाना से 5.85 लाख रुपए की 58.53 ग्राम एमड़ी ड्रग (मेथेएम्फेटामाइन) जप्त कर उसे पकड़ा गया है। ड्रग्स के अलावा उसके कब्जे से एक मोबाइल, बैग व आठ सौ रुपए भी जब्त किए गए है। उसने पूछताछ में बताया कि बरामद ड्रग की खेप सरथाणा कविता रो हाउस निवासी सूरत के ड्रग माफिया जैमिन सवाणी ने मंगवाई थी। भीनमाल के निकट पुनासा गांव निवासी ड्रग माफिया आशुराम खिलेरी से एमडी ड्रग लेकर वह सूरत आया था। वह इसे जैमिन को पहुंचाने वाला था। उसी समय एसओजी की टीम ने मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना व सर्वेलंस के आधार पर उसे नियोल चैक पोस्ट के निकट से पकड़ लिया। एओजी ने पुणागाम थाने में मामला दर्ज करवा कर फरार दोनों ड्रग माफियाओं की खोज शुरू कर दी है। इसी तरह के एक अन्य मामले में एसओजी ने रेलवे स्टेशन इलाके से जोधपुर शिव शक्तिनगर निवासी भगवती प्रसाद उर्फ भागी विश्नोई को गिरफ्तार किया है।

वनडे की कप्तानी पर खतरा-कोहली से बात कर सकता है बीसीसीआई, इस फॉर्मेट का भी जिम्मा संभाल सकते हैं रोहित

भारतीय कप्तान विराट कोहली टी-20 के बाद वनडे टीम की कप्तानी भी छोड़ सकते हैं। उनकी जगह रोहित शर्मा को नया कप्तान बनाया जा सकता है। ऐसा होने पर कोहली सिर्फ टेस्ट टीम के कप्तान रहेंगे और रोहित वनडे के साथ टी-20 टीम की कमान संभालेंगे। विराट ने हाल ही टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ी है और उनकी जगह रोहित को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में कप्तान बनाया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड विराट से वनडे की कप्तानी को लेकर बात करेगा। इसके बाद ही इस बारे में फैसला लिया जाएगा। एनडीटीवी की खबर के अनुसार अगले साल की शुरुआत में ही रोहित को भारत की वनडे टीम का नया कप्तान बनाया जा सकता है। 11 जनवरी 2022 से भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है। इससे पहले बीसीसीआई कप्तानी का मसला सुलझाना चाहेगी। रोहित कप्तान और राहुल होंगे उपकप्तानटी-20 की तरह वनडे में भी लोकेश राहुल को भारत का उपकप्तान बनाया जा सकता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड विराट को सीमित ओवर की कप्तानी के भार से मुक्त करना चाहता है। बीसीसीआई विराट का भार कर रहा है ताकि वो अपनी बल्लेबाजी पर ज्यादा ध्यान दे सकें और अपनी पुरानी लय हासिल कर सकें। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भी विराट कप्तानी नहीं करेंगे। उन्होंने इस मैच में आराम करने का फैसला किया है। ऐसे में टीम के उपकप्तान रहाणे कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। यह टेस्ट कानपुर में 25 नवंबर से शुरू होगा। वहीं रोहित को पूरी टेस्ट सीरीज में आराम दिया जाएगा, क्योंकि न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच और दक्षिण अफ्रीका के दौरे के बीच ज्यादा समय नहीं है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली बार नियमित कप्तान होंगे रोहितन्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए रोहित को पहली बार भारत का नियमित कप्तान बनाया गया है। भारत को 17 नवंबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। इसकी शुरुआत जयपुर से होगी। इसके बाद रांची और कोलकाता में मैच होंगे। इस सीरीज के लिए 16 सदस्यों की टीम का एलान हुआ है, जिसमें अवेश खान, हर्षल पटेल और वेंकटेश अय्यर को भी मौका दिया गया है।अफ्रीका में तीन टेस्ट खेलेगा भारत भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। यह सीरीज 17 दिसंबर से शुरू होगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन वनडे और चार टी-20 मैचों की सीरीज भी होगी। टीम इंडिया हाल ही में टी-20 वर्ल्डकप में खराब प्रदर्शन के बाद लौटी है। ऐसे में चयनकर्ता सभी खिलाड़ियों को दक्षिण अफ्रीका के दौरे से पहले आराम का समय देना चाहेंगे। 2017 में भारत के वनडे कप्तान बने थे विराटविराट ने जनवरी 2017 में भारत की कप्तानी संभाली थी।

टीम इंडिया: म्हामब्रे नए बॉलिंग और दिलीप नए फील्डिंग कोच, बीसीसीआई ने विक्रम राठौड़ पर फिर जताया भरोसा

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को नए कोचिंग स्टाफ के नामों की घोषणा की। पारस म्हामब्रे नए गेंदबाजी कोच बनाए गए हैं, जबकि, टी दिलीप को फील्डिंग कोच की जिम्मेदारी दी गई है। बोर्ड ने विक्रम राठौड़ पर एक बार फिर से भरोसा जताया है और वे बैटिंग कोच बने रहेंगे। यह सभी हेड कोच राहुल द्रविड़ के अंदर काम करेंगे। इन सभी का गुरुवार को इंटरव्यू लिया गया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाए गए नियम के मुताबिक, चयनकर्ता स्टाफ कोच का सिलेक्शन करते हैं। वहीं, क्रिकेट प्रशासकों की समिति हेड कोच नियुक्त करती है। हालांकि, इन कोच की नियुक्ति किस प्रकार हुई इसके बारे में अभी जानकारी नहीं मिली है।दिलीप हैदराबाद के रहने वाले फील्डिंग कोच हैं। इससे पहले वह भारतीय टीम के साथ जुलाई में श्रीलंका दौरे पर भी गए थे। पूर्व फील्डिंग कोच आर श्रीधर भी हैदराबाद के ही थे। वहीं, म्हामब्रे का बॉलिंग कोच नियुक्त किया जाना तय माना जा रहा था, क्योंकि उन्होंने पहले भी द्रविड़ के साथ नेशनल क्रिकेट अकेडमी (एनसीए) में काम किया है। म्हामब्रे मुंबई से हैं। द्रविड़ ने खुद यह बयान दिया था कि वह 49 साल के मुंबई के पूर्व गेंदबाज के साथ काम कर खुश हैं। म्हामब्रे ने भारत के लिए 90 के दशक में दो टेस्ट और तीन वनडे भी खेले हैं। 52 साल के विक्रम राठौड़ ऑटोमेक च्वाइस थे, क्योंकि उन्हें टीम इंडिया से अच्छी रिव्यू मिले थे। विक्रम ने हाल ही में बैटिंग कोच की पोजिशन के लिए अप्लाई किया था।ये तीनों जल्द ही जयपुर के लिए रवाना होंगे, जहां टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला खेलना है। पहला मैच जयपुर में 17 नवंबर को खेला जाएगा। इसके बाद 25 नवंबर से दो टेस्ट की सीरीज खेली जाएगी।

नीरज चोपड़ा: हर हाल में छूना चाहते हैं 90 मीटर, कहा- बायोपिक अभी इंतजार कर सकती है, पदक नहीं

नीरज फिल्हाल अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उन्हें मालूम है कि अगला साल उनके लिए काफी अहम है। राष्ट्रमंडल और एशियाई खेल होने हैं और इन दोनों ही खेलों में उन्हें अपने खिताब की रक्षा करनी है।

टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद आसमां सरीखी बुलंदियां छूने वाले नीरज चोपड़ा को यह अहसास है कि आने वाले समय में उनका प्रदर्शन अगर उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा तो जो लोग उन्हें हाथों हाथ ले रहे वही बाद में उनकी निंदा करेंगे। नीरज खुलासा करते हैं कि यही कारण है कि वह हर हाल में 90 मीटर की जादुई दूरी को जल्द से जल्द छूना चाहते हैं। एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए नीरज चोपड़ा के अनुसार वह टोक्यो ओलंपिक के बाद से पहली बार एनआईएस पटियाला में तैयारियां शुरू कर चुके हैं। नीरज फिल्हाल अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उन्हें मालूम है कि अगला साल उनके लिए काफी अहम है। राष्ट्रमंडल और एशियाई खेल होने हैं और इन दोनों ही खेलों में उन्हें अपने खिताब की रक्षा करनी है। इस लिए जल्द से जल्द उन्हें भाला फेंकने के लिए अपने पुराने रिद्म में आना पड़ेगा।नीरज को देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड से चुना गया है। 13 नवंबर को राष्ट्रपति भवन में वह राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों यह अवार्ड ग्रहण करेंगे। नीरज के साथ 11 अन्य खिलाडियों को यह अवार्ड दिया जाएगा।

पाकिस्तान: टीटीपी से वार्ता पर घिरी इमरान सरकार, विपक्ष ने उठाए सवाल

पाक में 2007 से सक्रिय तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) अब तक देश में सैकड़ों की जान ले चुका है लेकिन इमरान सरकार ने उसके आगे समर्पण करते हुए बातचीत का रास्ता अपनाया है। इसे लेकर पेशावर आर्मी स्कूल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से फटकार खाने के बाद विपक्ष ने भी इमरान सरकार को संसद में आड़े हाथों लेते हुए घेराबंदी बढ़ा दी है।पाकिस्तानी उच्च सदन (सीनेट) के पूर्व अध्यक्ष और पीपीपी के नेता मियां रजा रब्बानी ने भड़कते हुए कहा कि टीटीपी से वार्ता का फैसला संसद में लिया जाना था। यदि संसद की इसी तरह तौहीन करनी है तो क्यों न संसद पर ताला लगा दिया जाए। बिलावल भुट्टो जरदारी ने इस मुद्दे पर विरोध जताते हुए संसद तक रैलियां आयोजित करने की चेतावनी दी है।पाकिस्तान मुस्लिम लीग - नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने इमरान सरकार के इस फैसले को टीटीपी आतंकवादियों के आगे आत्मसमर्पण करार दिया। इस बीच, राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर सरकार द्वारा बुलाई गई एक बैठक में सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने सभी पार्टियों को अहम जानकारी दी जबकि इसमें पीएम इमरान खान मौजूद नहीं रहे। विपक्षी नेताओं ने कहा है कि वे इस मुद्दे पर सरकार को किसी भी सूरत में बख्शने वाले नहीं हैं।वैश्विक चिंता का कारण बनेगा टीएलपी पर से प्रतिबंध हटाना पाकिस्तान सरकार टीटीपी के अलावा तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के साथ भी बातचीत कर रही है। इसे विश्लेषकों ने इमरान सरकार की अस्पष्ट नीति बताते हुए कहा है कि यह जल्द ही वैश्विक चिंता का कारण बनेगी। डॉन अखबार ने कहा है कि इमरान सरकार के कामकाज में भ्रम और उथल-पुथल जारी है। टीएलपी पर जारी प्रतिबंध हटने से विदेशों में पाक की छवि धूमिल होगी क्योंकि इस संगठन के कार्यकर्ता फ्रांसीसी राजदूत को हटाने की मांग कर रहे थे। इसका सीधा असर पाकिस्तान की विदेश नीति पर पड़ना तय है।पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट में बोले इमरान- कोई दूध का धुला नहींपेशावर में 16 दिसंबर 2014 को आर्मी पब्लिक स्कूल पर हुए टीटीपी हमले की सुनवाई करते हुए पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने इस मामले में उठाए गए कदमों को लेकर सीधे पीएम इमरान खान को तलब कर लिया। जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान ने शीर्ष अदालत में पेश होकर मुख्य न्यायाधीश गुलजार अहमद के सवालों का जवाब दिया। उन्होंने बुधवार को कोर्ट से कहा कि पाक में कोई दूध का धुला नहीं है। इससे पहले चीफ जस्टिस ने पेशावर स्कूल हमले में 140 से ज्यादा लोगों के मारे जाने के बाद पीड़ितों के परिजनों की शिकायतों का निवारण करने के बारे में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में पूछा। अहमद ने कहा, मारे गए बच्चों के माता-पिता मुआवजा नहीं मांग रहे बल्कि जानना चाहते हैं कि उस दिन पूरा सुरक्षा तंत्र कहां था। उन्होंने हिदायत दी कि मामले की पारदर्शी जांच होनी चाहिए।तालिबान से अमेरिकी हथियार खरीदेगा पाकआतंक की फैक्टरी चलाने वाला पाकिस्तान आतंकवादियों के डर से इन दिनों अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा कब्जे में लिए गए अमेरिकी हथियार खरीदने जा रहा है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेना जब अफगानिस्तान छोड़कर लौटी तो उसके कई हथियारों पर तालिबान ने पहुंच बना ली। ये हथियार अब तालिबान सरकार पाकिस्तान को सप्लाई करने जा रही है। हालांकि अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि उसकी सैन्य वापसी से पहले वह उन्नत हथियार निष्क्रिय कर चुका था लेकिन अब भी तालिबान के पास बड़ी मात्रा में अमेरिकी हथियार मौजूद हैं जिन्हें दुकानों पर खुलेतौर पर बेचा जा रहा है।

खुशखबर-दक्षिण अफ्रीका में भारतीय मूल के चार बच्चे अपहरण के बाद लौटे, नहीं पहुंचाया कोई नुकसान

दक्षिण अफ्रीका में बंदूकधारियों द्वारा तीन सप्ताह पहले स्कूल जाते समय अगवा किए गए भारतीय मूल के व्यवसायी के चार बेटे अपने माता-पिता के पास सुरक्षित पहुंच गए हैं।पुलिस ने बताया कि पोलोकवाने में रहने वाले व्यवसायी नाजिम मोती के बेटे जिदान (7), जायद (11), एलन, (13), और जिया (15) सही सलामत लौट आए हैं।कुछ दिन पूर्व इन बच्चों का सफेद चोगा पहने सात हथियारबंद लोगों ने दो वाहनों में अपहरण कर लिया था। बदमाशों ने 21 अक्तूबर को स्कूल जाने के रास्ते में उनकी कार को रोककर वारदात को अंजाम दिया और चालक को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया।पुलिस प्रवक्ता विश नायडू ने कहा कि पुलिस को प्रिटोरिया के तशवाने के निवासियों का फोन आया, जिन्होंने कहा कि चार बच्चे उनके घर पहुंचे और कहा कि उन्हें पास की एक सड़क पर छोड़ दिया गया है। बच्चों को उनके माता-पिता को सौंपने से पहले पहले चिकित्सकीय जांच की गई। उनका स्वस्थ्य अच्छा है और उन्हें माता-पिता को सौंप दिया गया है।दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति डी. क्लार्क का निधननेल्सन मंडेला के साथ नोबेल शांति पुरस्कार साझा करने वाले दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति एफ. डब्ल्यू. डी. क्लार्क का 85 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे रंगभेद नीति के खिलाफ श्वेत अल्पसंख्यकों का अंत करने वाले नेताओं में शामिल रहे हैं।क्लार्क फाउंडेशन के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि केप टाउन के फ्रेंसनाय इलाके में क्लार्क का निधन हो गया। वे कैंसर से पीड़ित थे।

वह क्लार्क ही थे जिन्होंने दो फरवरी 1990 में दक्षिण अफ्रीकी संसद में एक संबोधन के दौरान घोषणा की थी कि मंडेला को 27 साल बाद जेल से रिहा किया जाएगा।इस घोषणा ने एक ऐसे देश में नई ऊर्जा का संचार किया जिसे दशकों तक रंगभेद को लेकर उसकी क्रूर व्यवस्थाओं के कारण तिरस्कृत व प्रतिबंधित किया गया।

चीन ने पारित किया नया प्रस्ताव: तीसरी बार भी राष्ट्रपति बनेंगे शी जिनपिंग, माओ-डेंग के बाद सबसे बड़े नेता घोषित

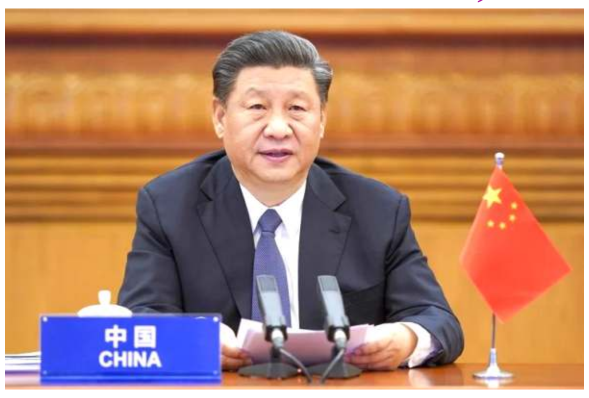

चीन में सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना ने गुरुवार को एक उच्च स्तरीय सम्मेलन में एक अहम प्रस्ताव को पारित कर दिया। 100 वर्षों में पार्टी की मुख्य उपलब्धियों पर इस प्रस्ताव में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए भी (संभवत: इसके बाद भी) रास्ता साफ कर दिया गया है। इसमें जिनपिंग को माओ त्से तुंग और डेंग शायोपिंग के बाद चीन का सबसे बड़ा नेता घोषित किया गया है।पार्टी के 100 साल के इतिहास में यह अपनी तरह का तीसरा प्रस्ताव है। इससे पहले पार्टी के संस्थापक माओ और उनके बाद पार्टी की कमान संभालने वाले डेंग शायोपिंग ने ऐसा प्रस्ताव पारित किया था। इस प्रस्ताव की आठ से 11 नवंबर तक बीजिंग में हुए 19वीं सीपीसी केंद्रीय समिति के छठे पूर्ण सत्र के दौरान समीक्षा की गई और इसे पारित कर दिया गया। शुक्रवार को पार्टी एक प्रेसवार्ता करेगी।पूर्ववर्तियों से जुदा राह पर जिनपिंग लगातार तीसरी बार राष्ट्रपति बनेंगेसत्र का समापन होने के बाद पार्टी ने एक 14 पन्नों का संवाद पत्र जारी किया है। इसमें जिनपिंग के नेतृत्व और पार्टी में उनकी हैसियत के बारे में जिस तरह से बात की गई है वह साफ बताता है कि राष्ट्रपति के तौर पर लगातार दो कार्यकाल पूरे करने के बाद वह अगले साल तीसरी बार भी राष्ट्रपति बने रहेंगे। माना जा रहा है कि अपने पूर्ववर्तियों की तरह जिनपिंग पद नहीं छोड़ेंगे और चीन की सत्ता संभालते रहेंगे।स्कूलों में पढ़ाए जाएंगे जिनपिंग के विचार, विरोध में बयानबाजी अपराधचार दिन चले इस सत्र के दौरान एक ऐतिहासिक संकल्प पत्र भी जारी किया गया। सीपीसी अब ऐसा पाठ्यक्रम लाई है जिसके तहत चीन के स्कूल-कॉलेजों में जिनपिंग के विचार पढ़ाया जाएगा। इसके अलावा अब जिनपिंग के खिलाफ बयान देना अपराध माना जाएगा। पहले ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कोई महत्व नहीं देने वाला चीन अब इसे पूरी तरह समाप्त करने की राह पर चलता दिखाई दे रहा है।शी से पहले किसी ने दो कार्यकाल से अधिक नहीं संभाला राष्ट्रपति पदजिनपिंग से पहले राष्ट्रपति पद संभालने वाले सभी नेता या तो अधिकतम दो कार्यकाल के लिए पद पर रहे हैं या संविधान के नियम के अनुसार 68 साल की आयु पर सेवानिवृत्त हुए हैं।

आयुष्मान खुराना और वाणी कपूर की फिल्म चंडीगढ़ करे आशिकी का ट्रेलर रिलीज

आयुष्मान खुराना और वाणी कपूर की फिल्म 'चंडीगढ़ करे आशिकी' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में आयुष्मान खुराना एक फिटनेस ट्रेनर और वाणी कपूर एक जुंबा इंस्ट्रक्टर के किरदार में नजर आ रही हैं। इस रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म के ट्रेलर में आयुष्मान खुराना वाणी कपूर संग आशिकी करते नजर आ रहे हैं। आयुष्मान एक क्रॉस-फंक्शनल एथलीट है। वह एक कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहे हैं। कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब वहां ट्रेनर वाणी कपूर जुंबा सिखाने आती हैं।
इस फिल्म में आयुष्मान खुराना की जबरदस्त बॉडी नजर आ रही है। ट्रेलर में आयुष्मान और वाणी के बीच काफी बोल्ड सीन भी हैं। अभिषेक कपूर के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का निर्माण उनकी पत्नी प्रज्ञा कपूर कर रही हैं। ये फिल्म 10 दिसंबर 2021 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नुसरत की हॉरर फिल्म छोरी नवंबर में होगी रिलीज

प्राइम वीडियो ने अपनी आने वाली हॉरर फिल्म 'छोरी' का टीजर रिलीज कर दिया है। टीजर शहर से लेकर एकांत गाँव तक, नुसरत भरुचा के किरदार 'साक्षी' की यात्रा को दिखाता है। फिल्म एक गर्भवती महिला की दु:खद कहानी को चित्रित करती है, जो एक अस्थिर दुनिया में प्रवेश कर जाती है। 'छोरी' में नुसरत भरुचा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में मीता वशिष्ठ, राजेश जयस, सौरभ गोयल और यानिया भारद्वाज भी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म मराठी फिल्म 'लपछपी' की रीमेक है। 'छोरी' 26 नवंबर से भारत और दुनिया भर के 240 देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

अजय देवगन के बाद बेयर ग्रिल्स संग जंगल के रोमांचक सफर पर जाएंगे विक्की कौशल

बेयर ग्रिल्स रोमांच और एक्शन से भरपूर कारनामों के साथ डरावने हालात में जिंदा रहने की कला के लिए मशहूर है। उनके शो 'इंटू द वाइल्ड विद बेयर ग्रिल्स' के हर एपिसोड के लिए दर्शक उत्साहित रहते हैं। इस शो में कई मशहूर सेलिब्रिटी बेयर ग्रिल्स के साथ बिना कुछ सुविधाओं के साथ जंगल में सरवाइव करते नजर आ चुके हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, एक्टर अक्षय कुमार, अजय देवगन और रजनीकांत भी इस शो में नजर आ चुके हैं। अब बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल भी ब्रेयर ग्रिल्स के साथ जंगल की रोमांचक यात्रा करते नजर आने वाले है। विक्की कौशल ने इस शो का पोस्टर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। इस पोस्टर में वह बेयर ग्रिल्स के साथ नजर आ रहे हैं। इस का पोस्टर शेयर करते विक्की ने लिखा, लाइफटाइम का एक एंड्वेंचर वो भी और किसी के नहीं बल्कि सर्वाइवल एक्सपर्ट बेयर ग्रिल्स के साथ। चलिए देखते हैं कि इन्होंने मेरे लिए क्या प्लान किया हुआ है। इंटू द वाइल्ड के विक्की कौशल स्पेशल एपिसोड का प्रीमियर 12 नवंबर को डिस्कवरी प्लस इन में होगा। फैंस, विक्की और बेयर को साथ में देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। विक्की के पोस्ट पर फैंस खूब कमेंट कर रहे हैं। बता दें कि विक्की कौशल इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। बीते कई दिनों से खबर आ रही है कि वह कैटरीना कैफ संग दिसंबर में शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। हाल ही में दिवाली के मौके पर दोनों की रोका सेरेमनी की खबरें भी सामने आई है। वर्क फ्रंट की बात करें तो विक्की कौशल आखिरी बार सरदार उधम सिंह की बायोपिक 'सरदार उधम' में नजर आए थे। इस फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। वह जल्द ही सैम बहादुर, द ग्रेट इंडियन फैमिली और महाभारत के योद्धा अश्वत्थामा पर आधारित फिल्म द इम्मोर्टल अश्वत्थामा में नजर आने वाले हैं।

सूर्यवंशी बनी अक्षय कुमार की वीकेंड पर सर्वाधिक बॉक्स ऑफिस कलेक्शन करने वाली फिल्म

अक्षय कुमार की फिल्म सूर्यवंशी से बॉलीवुड को उम्मीद थी कि यह फिल्म दर्शकों को फिर से सिनेमाघर की ओर आकर्षित करने का कमाल कर सकती है और सूर्यवंशी ने यह कर दिखाया। न केवल बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने शानदार ओपनिंग ली बल्कि पहले वीकेंड पर भी अच्छा प्रदर्शन किया। दिवाली के अगले दिन रिलीज हुई सूर्यवंशी ने पहले दिन 2629 करोड़ रुपये की शुरुआत लेकर सभी को चौंका दिया था। कोविड से जली फिल्म इंडस्ट्री ने पहले दिन 15 से 20 करोड़ रुपये के कलेक्शन की उम्मीद की थी, लेकिन फिल्म का प्रदर्शन उम्मीद से कहीं बेहतर रहा। दूसरे दिन कलेक्शन में मामूली गिरावट रही और फिल्म 2385 करोड़ रुपये का कलेक्शन करने में कामयाब रही। तीसरे दिन रविवार की छुट्टी का पूरा फायदा मिला और कलेक्शन 2694 करोड़ रुपये तक जा पहुंचे। इस तरह से तीन दिनों में फिल्म ने 7708 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। वीकेंड पर अक्षय कुमार की सर्वाधिक कलेक्शन करने वाली फिल्म अब सूर्यवंशी बन गई है। इसके पहले यह रिकॉर्ड मिशन मंगल के नाम था जिसने 67 करोड़ 13 लाख रुपये का कलेक्शन किया था।

एकता कपूर को मिले पद्मश्री सम्मान ने आलोचकों को दिया करारा जबाव

टीवी निमार्ता एकता कपूर को हाल ही में भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया है। हालाँकि, एकता ने कई चुनौतियों का सामना करके ये मुकाम हासिल किया है। यहां तक पहुंचना उनके लिए आसान नहीं था। ऐसे बहुत से लोग थे, जो उनकी क्षमता पर संदेह कर रहे थे। एकता को मिले पद्मश्री ने उन सभी आलोचकों को करारा जबाव दिया है। अपने शुरूआती दिनों को याद करते हुए, एकता ने कहा कि उद्योग में मेरी शुरूआत तब हुई जब मैं सिर्फ 17 साल की थी। मैंने लगातार सुना कि मैं 'बहुत छोटी', 'बहुत कच्ची' थी और चीजों को करने के लिए 'बहुत जल्दबाजी' कर रहीं हूं। लेकिन, वह मानती है कि किसी भी काम को जल्दी शुरू करना ताकत का प्रतीक होता है, वह आगे कहती है कि वर्षों से मैंने महसूस किया है कि अपने सपनों को जीना कभी भी जल्दबाजी नहीं होता है और बहुत छोटा होना शायद सबसे अच्छी बात है। आज, जैसा कि मुझे चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया है, मैं बहुत खुश हूं। निर्माता ने अपने स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ऑल्ट बालाजी के साथ डिजिटल क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाई है। उनका अगला प्रोडक्शन, 'एक विलेन रिटर्न्स' 2014 की एक्शन थ्रिलर 'एक विलेन' का सीक्वल है।

रवीना टंडन की पहली वेब सीरीज अरण्यक दिसंबर में होगी रिलीज

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन आगामी वेब श्रृंखला 'अरण्यक' में एक पुलिस वाले की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सीरीज के साथ रवीना ओटीटी डेब्यू करने जा रही है। वेब सीरीज 10 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। 'अरण्यक' की कहानी एक भयानक जंगल और एक रहस्यमय शहर के बीच घूमती है। सीरीज का टीजर मंगलवार को रिलीज हुआ। सीरीज में परमब्रत चटर्जी, आशुतोष राणा, मेघना मलिक, जाकिर हुसैन और इंद्रनील सेनगुप्ता भी हैं। रॉय कपूर फिल्म्स और रमेश सिप्पी एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, 'अरण्यक' के शोरनर रोहन सिप्पी और विनय वैकुल ने इसका निर्देशन किया है।

सेलेब्रिटी को गाली देने पर अब तक कोई कानून नहीं बना

'ओम शांति ओम', 'तो बात पक्की' जैसी फिल्मों में काम करने वाली युविका चौधरी इन दिनों चर्चा में हैं ओटीटी पर रिलीज होने वाली अपनी नई फिल्म शबाना से। 'बिग बॉस 9' की कंटेस्टेंट रहीं युविका 'नच बलिए 9' में अपने पति प्रिंस नरूला के साथ विजेता भी साबित हुई हैं। हाल ही में वे उस वक्त विवादों में आ गई थी, जब हरियाणा कोर्ट ने एक आपत्तिजनक टिप्पणी पर उनके खिलाफ एफआरआई दर्ज कर दी थी। इस खास मुलाकात में वे अपनी फिल्म 'शबाना', पति प्रिंस, शादी, मदरहुड, एफआरआई और आर्यन खान के बारे में दिल खोलकर बात करती हैं।

दिवाली आपके लिए क्या मायने रखती है?

मेरे लिए दिवाली एक पारिवारिक समारोह होता है। मुझे लगता है कि हमारा परिवार हमें जमीन से जोड़े रखता है और हमारे त्योहार हमें आपस में बांध कर रखते हैं। दिवाली जैसे त्योहार हमें स्प्रिचुअल बनाते हैं और साथ ही हमें अपनी संस्कृति से जोड़े भी रखते हैं। मेरी कोशिश यही रहती है कि मैं अपने फेस्टिवल्स के जरिए अपने लोगों से कनेक्ट करूं।

आपके वर्क फ्रंट की बात करूं तो आप और प्रिंस (उनके ऐक्टर पति प्रिंस नरूला) 'शबाना' जैसी फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं?

मैं फिल्म में शीर्षक भूमिका अदा कर रही हूं। मेरा रोल काफी दमदार है। कहानी के बारे में मैं ज्यादा नहीं बता सकती, मगर जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ती है, आप मेरे किरदार के साथ और कनेक्ट करते जाते हैं। इसमें मेरा लुक और किरदार आम जिंदगी से बिल्कुल हटकर है। मैं इंतजार कर रही हूं ओटीटी पर इसकी स्ट्रीमिंग का। प्रिंस के साथ सेट पर काम करने में बहुत मजा आया। मैं और प्रिंस एक-दूसरे के साथ सेट पर काफी कंफर्टेबल थे। जहां हम गलत होते, एक-दूसरे को बताते थे। हमारे बीच कोई क्लैश नहीं हुआ। अच्छी ट्यूनिंग रही हमारी।

हाल ही में करवा चौथ के मौके पर प्रिंस ने आपके लिए व्रत रखा, आम तौर पर तो पत्नियां व्रत रखती हैं, इस मौके पर पति के लिए?

मुझे तो प्रिंस पर तरस आ रहा था। मैंने कहा, आप खा लो वरना मुझे गिल्टी फील होगा। मगर प्रिंस ने व्रत नहीं छोड़ा। सच कहूं, तो प्रिंस मेरी स्ट्रेंथ हैं। मैं कभी उनकी कमजोरी नहीं बनना चाहती। हम एक-दूसरे की दिल से इज्जत करते हैं। एक-दूसरे को वैल्यू करते हैं। यही हमारी रिलेशनशिप को मजबूत बनाता है।

आज के दौर में देखा जाए, तो लोग मैरिज इंस्टीट्यूशन से दूर जा रहे हैं, डिवोर्स रेट भी बढ़ गए हैं, मगर आपकी शादी एक आदर्श शादी मानी जाती है।

मुझे लगता है आज के दौर में हमीं लोगों ने शादी को जटिल बना दिया है। सीधी-सी बात है। आप एक-दूसरे को स्पेस दीजिए, वैल्यू कीजिए। दोनों में से अगर कोई भी शादी को हलके में लेगा, तो सही नहीं, वहां रिश्ता डूब जाता है। शादी के चार्म को बरकरार रखना जरूरी है। शादी ट्राई एंड एरर नहीं है। आप दस शादी नहीं कर सकते और कर भी लो, तो एक समय के बाद वो वैसी ही लगेगी, तो आपको अपने रिश्तों को संजोना आना चाहिए। साथ में मैं ये भी कहना चाहूंगी कि शादी को लेकर सभी की अलग-अलग सिचुएशन होती हैं। सबकी अपनी जर्नी होती है, मगर मैं ये भी कहना चाहूंगी कि ये इंस्टीट्यूशन सदियों से चला आ रहा है, तो इसके पीछे कोई कारण होगा। मैं इसे बहुत खूबसूरत मानती हूं। मेरे हिसाब से हर किसी को एक बार शादी करके जरूर देखना चाहिए। मगर उसके लिए मानसिक रूप से तैयार होना जरूरी है। शादी एक जिम्मेदारी भी है, आप उसे निभाने के लिए तैयार हैं, तभी इस क्षेत्र में प्रवेश करें। इसमें सिर्फ लड़की की जिम्मेदारी नहीं है। दोनों का जिम्मेदार होना जरूरी है।

मदरहुड के बारे में क्या सोचती हैं?

देखिए, शादी को लेकर भी मैंने कभी प्लानिंग नहीं की थी कि मैं ऐसे लड़के से करूंगी। मगर मेरी शादी हो गई। सब भगवान के हाथ में है। मैं जिंदगी को उसके प्रवाह की तरह लेती हूं। जब मेरी जिंदगी में मदरहुड लिखा होगा, मैं दिल से उसका स्वागत करूंगी। मैं भगवान के आगे अपनी प्लानिंग करने में यकीन नहीं करती। मेरा मानना है, भगवान की प्लानिंग सबसे ज्यादा ग्रेट होती है। न मैंने शादी डिसाइड की थी, न बच्चे। जब होना होगा हो जाएगा।

हाल ही में हरियाणा कोर्ट में आपको एक कड़वे अनुभव से भी गुजरना पड़ा? जब आपत्तिजनक टिप्पणी पर आपके नाम पर एफआरआई दर्ज कर दी गई थी?

सच तो यह है कि मैंने एक शब्द अनजाने में किसी और को नहीं बल्कि अपने आप को बोला। मगर बाद मुझे पता चला कि वो एक कम्युनिटी के लिए आपत्तिजनक है। ये कानून बना हुआ है, जिसमें आप ऐसा कुछ नहीं कह सकते। जब मुझे इसकी जानकारी हुई, तो मैंने माफी मांगी। मगर कहते हैं न हमें भी सेलिब्रिटी होने के नाते कीमत चुकानी पड़ती है। ये कानून है, तो फिर है। अभी तक ये कानून नहीं बना कि सेलेब्रिटी क ो जो गाली देते हैं, उन पर कब-कब केस किया जा सकता है? चूंकि आप सेलिब्रिटी हो और भले आपने जानबूझकर भी कुछ न किया हो, तब भी आपको खामियाजा भुगतना पड़ेगा। मैंने उस लफ्ज पर बार-बार सॉरी बोला। देखिए कोर्ट-कचहरी कोई नहीं जाना चाहता, मगर जब मुझे इंक्वायरी के लिए बुलाया गया तो मैंने पूरा सहयोग किया। मैं इसे भी एक अनुभव के रूप में देखती हूं। इससे मैं और ज्यादा मजबूत होंगी। शुरू में बहुत सदमा लगा था मुझे। सेलिब्रिटी होने के नाते लोग हमें कितनी गालियां देते हैं। मां-बाप, खानदान तक को घसीट लेते हैं। हम चुप रहते हैं, मगर अनजाने में अगर हमारे मुंह से एक लफ्ज निकल जाए, तो हमें बख्शा नहीं जाता। हम कलाकारों को लगातार जज किया जाता है।

सुशांत सिंह राजपूत से लेकर आर्यन खान केस तक इंडस्ट्री लगातार विवादों में घिरी हुई है?

जिन लोगों ने गलती नहीं की है, वो लोग भी पिस रहे हैं। असल में गलती किसने की है, उसका तो अभी पता ही नहीं है। लोग जो सुनते हैं, उस पर यकीन करने लगते हैं। कई बार तो वो चीजें होती भी नहीं हैं, उनकी अफवाहें इतनी हो जाती हैं कि लोगों को लगता है, यही सच है। अगर किसी चीज में सचाई है, तो उसकी तह तक जाकर उसे सबके सामने लाना जरूरी है। अंदाजे या अफवाहों के कारण किसी की जिंदगी खराब हो जाती है। कई बार ऐसे लोगों को लपेटे में ले लिया जाता है, जिनका कोई दोष नहीं।

प्रिंस नरूला पर भड़क गईं काम्या पंजाबी

जाने-माने कंट्रोवर्सियल शो लेडीज वर्सेज जेंटलमैन का दूसरा सीजन भी लोगों के बीच हिट हो रहा है। शो में आए दिन टीवी इंडस्ट्री की मशहूर हस्तियां किसी ना किसी बात पर जमकर बहस करती हैं। अपकमिंग एपिसोड में तो एक मुद्दे को लेकर काम्या पंजाबी और प्रिंस नरूला की टीम में लम्बी बहस छिड़ जाएगी। शो के होस्ट रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा एक ऐसा सवाल पूछेंगे कि जिसका जवाब देते ही प्रिंस नरूला तुरंत काम्या पंजाबी के निशाने पर आ जाएंगे। मेकर्स ने इस एपिसोड का एक धमाकेदार प्रोमो रिलीज कर दिया है।

निया को आया गुस्सा

सामने आए इस प्रोमो में रितेश-जेनेलिया पूछ रहे हैं कि कितने प्रतिशत मर्दों को लगता है कि औरतों को मैटेरियलिस्टिक चीजें देकर खुश रखा जा सकता है? विशाल आदित्य सिंह तुरंत कहते हैं कि लड़कियों को अच्छा लगता है तोहफे लेना। इतने में निया शर्मा भड़क जाती हैं और विशाल से कहती हैं कि ये गलत है। ऐसा नहीं है कि हम लड़कियां सुबह उठते ही कहती हैं कि लाओ तोहफे।

काम्या ने लगाई प्रिंस की क्लास

निया की बातें सुनते ही प्रिंस प्रोमो में साफ कह रहे हैं कि खुशी मिलती है लड़कियों को.। इसके तुरंत बाद काम्या पंजाबी बात काटते हुए बोलती हैं कि टाइम ना दो प्यार दो लेकिन तोहफे देकर खुशी दो।ऐसा नहीं है। जवाब में प्रिंस नरूला बोल रहे हैं कि जितना भी टाइम दे लोज़ब तक ये चीजें ना दो खुशी नहीं मिलती है।

काम्या ने प्रिंस की पार्टनर को लेकर कही ये बात

प्रिंस की बातों को सुनने के बाद काम्या पंजाबी कह रही हैं कि प्रिंस आप ऐसी लड़कियों के साथ घूमे हैं जो इन चीजों को मायने देती थी। काम्या पंजाबी की बात सुनते ही प्रिंस नरूला का मुंह बन गया। इस प्रोमो से साफ है कि लेडीज वर्सेस जेंटलमैन 2 के नए एपिसोड में एक के बाद एक कई धमाके होने वाले हैं।

वास्तुकला संस्थान का चयन करते समय ध्यान देने योग्य बातें

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

आपके द्वारा चुने गए कॉलेज में आपकी प्राथमिकताओं-शैक्षणिक/सामाजिक जीवन का संतुलन होना चाहिए। उम्मीदवार को संस्थान की वेबसाइट पर जाना चाहिए और संस्थान के विजन, मिशन और गुणवत्ता के उद्देश्यों की जांच करनी चाहिए। फैकल्टी की संख्या की जांच करने और वेबसाइट से कुछ विवरण एकत्र करने से हमेशा मदद मिलती है।

आप कॉलेज की वेबसाइटों की खोज करके शुरुआत कर सकते हैं। अधिकांश में छात्र के काम को दिखाने वाले वीडियो या गैलरी हैं। विभिन्न प्रकार के आर्किटेक्चर स्कूलों से छात्रों और शिक्षकों को काम करते देखने के लिए जाएँ और तय करें कि आपको क्या पसंद है। इससे आपको पता चलता है कि विभिन्न संस्थान के बारे में । कॉलेज के कैटलॉग को देखना और कोर्स के कुछ विवरण पढ़ना न भूलें।

जब भी संभव हो संस्थान का दौरा करें। जब आप जाएँ, तो अधिक से अधिक विद्यार्थियों से बात करने का प्रयास करें। यह महसूस करें कि छात्र आबादी कितनी बड़ी है और वे कितनी विविध हैं। अक्सर यह कहा जाता है कि ऑनलाइन या संस्थान का भौतिक दौरा सबसे अच्छा तरीका है। जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, स्थापत्य शिक्षा में डिजिटल मीडिया शामिल होता है। क्या स्कूल आपको विस्तृत प्रस्तुतिकरण बनाना सिखाता है या यह अपने अभ्यास पर भी ध्यान केंद्रित करता है? किस प्रकार के सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं? कुछ ऐसे प्रश्न हैं जो संस्थान को अंतिम रूप देने से पहले पूछे जाने चाहिए। अंत में, सुनने-कहने या

आप अपने सहपाठियों से उतना ही सीखते हैं जितना आप अपने प्रोफेसरों से सीखते हैं। छात्र क्या कर रहे हैं और किस बारे में बात कर रहे हैं, यह देखने के लिए स्कूल के सोशल मीडिया का अन्वेषण करें। किसी भी संस्थान की ढांचागत सुविधाओं का आकलन करने के लिए या तो सामान्य राय से जाने के बजाय समीक्षा करना हमेशा बेहतर होता है। कुछ संस्थान अपने लंबे समय के कारण अक्सर आत्मसंतुष्ट हो जाते हैं और उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए कदम बढ़ाने और बदलने या अनुकूलित करने के लिए तैयार नहीं होते हैं।

डॉक्टर कृष्णा चौहान करवा रहे हैं इंडियन सिनेमा का सबसे बड़ा पुरस्कार बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2021

12 दिसंबर को होने जा रहे अवार्ड समारोह की ट्रॉफी है बेहद आकर्षक, सोशल मीडिया में पोस्टर हुआ वायरल

बॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर और लीजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड के फाउंडर डॉक्टर कृष्णा चौहान इंडियन सिनेमा का सबसे बड़ा पुरुस्कार बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2021 का आयोजन 12 दिसंबर २०२१ को मुम्बई अंधेरी के मेयर हॉल में करने जा रहे हैं, जसकी चर्चा अभी से शुरू हो गई है। आपको बता दें कि कृष्णा चौहान यह अवार्ड तीसरी बार कराने जा रहे हैं, पिछले दो साल में यह अवार्ड काफी कामयाब रहा है और अब जब से सोशल मीडिया में तीसरे वर्ष के अवार्ड फंक्शन का पोस्टर वायरल हुआ है लोग 12 दिसम्बर का इन्तजार कर रहे हैं जब इसका आयोजन होना है।डॉ कृष्णा चौहान ने

बताया कि पोस्टर को सोशल मीडिया पर काफी लाइक शेयर किया जा रहा है और काफी लोगों के फोन भी आ रहे हैं। सिद्धि विनायक ट्रॉफीज और गिफ्ट्स द्वारा बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2021 की शानदार ट्रॉफी डिज़ाइन की गई है। उन्होंने आगे बताया कि यह एक स्पेशल अवार्ड फंक्शन होगा जिसके विजेताओं को ट्रॉफी के अलावा, बेहतरीन मेडल और सर्टिफिकेट से नवाजा जाएगा। आपको बता दें कि कृष्णा चौहान फाउंडेशन KCF (रजिस्टर्ड) के फाउंडर डायरेक्टर डॉ कृष्णा चौहान सोशल वर्कर के रूप में भी मानवता की सेवा में लगातार कार्यरत हैं। गौरतलब है कि मुम्बई में डॉ कृष्णा चौहान ने "महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021" का शानदार आयोजन किया था। बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले कृष्णा चौहान फिल्म निर्देशक होने के साथ साथ अवार्ड फंक्शन का आयोजन भी लगातार करते आ रहे हैं। साथ ही वह कृष्णा चौहान फाउंडेशन भी संचालित करते आ रहे हैं।

FSAI मुंबई ने TSAP के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

फायर सेफ्टी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (FSAI), मुंबई चैप्टर ने ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग (TSAP) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। फायर एंड सिक्योरिटी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (FSAI) 2002 में स्थापित एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो अग्नि सुरक्षा, जीवन सुरक्षा, सुरक्षा, भवन स्वचालन, हानि निवारण और जोखिम प्रबंधन डोमेन का प्रतिनिधित्व करता है। इस समझौता ज्ञापन के एक भाग के रूप में, FSAI और TSAP ज्ञान साझा करने के लिए निर्माताओं, सेवा प्रदाताओं, सलाहकारों, नीति निर्माताओं और उद्योग के विशेषज्ञों के बीच आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करके उद्योग और शिक्षा जगत के बीच की खाई को पाटने के लिए पहल करेंगे। सहयोग के परिणामस्वरूप पेशेवरों के लिए जागरूकता, संगोष्ठियों, साइट के दौरे, प्रकाशन और संयुक्त प्रमाणपत्र कार्यक्रमों के विकास के कार्यक्रमों के आसपास वर्ष का विकास होगा। यह विकास उद्योग के लिए तैयार पेशेवरों का एक पंथ बनाने की दिशा में एक अग्रणी पहल है जो सुरक्षित शहर और आवास बनाने के प्रति संवेदनशील हैं। इस कार्यक्रम का नेतृत्व FSAI मुंबई चैप्टर के अध्यक्ष श्री रूपेश उमटोल और विशेषज्ञ पेशेवरों की टीम के साथ-साथ TSAP के प्रिंसिपल एआर धीरज साल्होत्रा और वाइस प्रिंसिपल पूर्वी कक्कड़ ने किया। आने वाले समय में, FSAI अपने उद्योग कनेक्ट के माध्यम से TSAP परिसर में प्रदर्शन प्रयोगशालाओं और प्रदर्शनियों की स्थापना करने जा रहा है। ये प्रयोगशालाएं अग्नि सुरक्षा, योजना, परियोजनाओं के निष्पादन और प्रबंधन में कौशल विकसित करने के लिए विशेषज्ञता प्रदान करेंगे।

मेड इन इंडिया वैक्सीन-कोरोना के खिलाफ 77.8 फीसदी प्रभावी पाया गया भारत का यह टीका, लांसेट की स्टडी में पुष्टि

लांसेट ने कहा है कि भारत में नवंबर 2020 से मई 2021 तक 18 से 97 साल के 24 हजार 419 लोगों पर किए गए ट्रायल में वैक्सीन के प्रभाव की वजह से कोई गंभीर घटना या मौतों के मामले सामने नहीं आए।

भारत बायोटेक द्वारा निर्मित कोरोनावायरस वैक्सीन-कोवाक्सिन पर देश में की गई स्टडी की अब विदेश में भी पुष्टि हो रही है। मेडिकल जर्नल लांसेट की हालिया स्टडी में खुलासा हुआ है कि कोवाक्सिन कोरोनावायरस के खिलाफ 77.8 फीसदी तक प्रभावी है। वैक्सीन का यह प्रभाव उन लोगों पर पाया गया, जिनमें संक्रमण के लक्षण दिखने लगे। लांसेट की स्टडी में कहा गया है कि कोवाक्सिन, जो कि इनएक्टिवेटेड वायरस तकनीक यानी असक्रिय वायरस को शरीर में भेजकर प्रतिरोधक क्षमता को सक्रिय करने की तकनीक पर काम करती है, इसकी दो डोज लगने के बाद इंसानी शरीर में कोरोनावायरस के खिलाफ जबरदस्त एंटीबॉडीज बनती हैं। लांसेट ने कहा है कि भारत में नवंबर 2020 से मई 2021 तक 18 से 19 साल के 24 हजार 419 लोगों पर किए गए ट्रायल में वैक्सीन के प्रभाव की वजह से कोई गंभीर घटना या मौतों के मामले सामने नहीं आए।जिस अंतरिम स्टडी में यह बातें सामने आई हैं, उसे भारत बायोटेक और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) की तरफ से फंड किया गया था। साथ ही दोनों संस्थाओं के अधिकारियों ने वैक्सीन के असर पर रिपोर्ट तैयार की। गौरतलब है कि भारत बायोटेक ने पहले ही कोवाक्सिन को कोरोना के खिलाफ 77.8 फीसदी तक प्रभावी करार दिया था, जिसके बाद भारत में इसके सुरक्षा मानकों को लेकर उठे विवादों पर विराम लगा था। डब्ल्यूएचओ से मान्यता मिलने के बाद 96 देश दे चुके हैं मंजूरीकोरोना के खिलाफ भारतीय हथियारों का लोहा धीरे-धीरे दुनिया के तमाम देश मामने लगे हैं। भारत में बनी कोवाक्सिन और कोविशील्ड को अब तक दुनिया के 96 देश मान्यता दे चुके हैं। इन दोनों टीकों को विश्व स्थास्थ्य संगठन ने आपातकालीन उपयोग सूची में शामिल किया है। इसके बाद भारतीय टीकों को मान्यता देने वाले देशों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है।

समीर वानखेड़े को कोहिनूर ऑफ इंडिया सम्मान-हार्दिक हुंडिया

देश के दुश्मन ड्रग्स माफिया को खत्म करने में अनमोल भूमिका निभाने वाले निर्भीक अधिकारी समीर वानखेड़े को इंटरनेशनल डायमंड डे द्वारा कोहिनूर ऑफ इंडिया सम्मान से नवाजा गया. इसकी जानकारी आई डी डी के स्थापक हार्दिक हुंडिया ने दी है। उन्होंने बताया कि यह सम्मान समीर वानखेड़े के अलावा मुकेश अम्बानी के समधी और रोज़ी ब्ल्यू वाले अरुण मेहता , वरिष्ठ धाराशास्त्री उज्जवल निकम , विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ९९ शाल के आनंद शंकरजी पंड्या, ब्ल्यू स्टार वाले अशित मेहता, तारक मेहता का उल्टा चश्मा के निर्माता अशित मोदी, डायमंड किंग और हीरा बाज़ार के मेन ऑफ द मिलेनियम भरत शाह, एशिया के सबसे बड़े

हीरा उद्योग का बिसनेस सेंटर भारत डायमंड बूर्स के पूर्व चेयरमैन कमलेश झवेरी, द जेम्स एंड जवेलरी के एक्स चेयरमैन कौशिक मेहता, स्वर्गीय सांसद मुकेश गढ़वी, इंडिया बुलियनस एंड जवेलरी के अध्यक्ष पृथ्वीराज कोठारी, वरिष्ठ धाराशास्त्री रिज़वान मर्चेंट भी सम्मानित हो चुके हैं। हार्दिक हुंडिया ने बताया कि देश के इन महान भाग्यशालियों को सम्मान देना हमारे लिए गौरव की बात है क्योंकि इन महान विभूतियों ने देश और समाज के विकाश में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।

जज्बा-महिला अफसर ने बेहोश युवक को कंधे पर ऑटो तक पहुंचाया.. समय पर इलाज मिला, तो बच गई जान

किसी की जान बचाने के लिए सबकुछ झोंक देना शायद इसे ही कहते हैं। लगातार भारी बारिश झेल रहे चेन्नई से वायरल हुए वीडियो ने इंसानियत, मदद और कर्तव्य परायणता जैसे शब्दों को नए अर्थ दिए हैं।इस वायरल वीडियो में दिख रहा है कि भारी बारिश के दौरान श्मशान घाट में काम करने वाला एक युवक अचानक बेहोश हो जाता है। टीपी चेतराम पुलिस स्टेशन की इंस्पेक्टर राजेश्वरी उस बेहोश व्यक्ति को अपने कंधे पर उठाकर ले जाती है।उसे पहले एक कार की डिग्गी में लादने का प्रयास किया जाता है लेकिन राजेश्वरी कहती हैं कि इसमें नहीं जा पाएगा। इसके बाद वह उसे लेकर सड़क पर तेजी से दौड़ती हैं। सड़क पर एक ऑटो देखकर वह उसे रुकवाती हैं और युवक को उसमें बिठाकर साथ के एक व्यक्ति को उसे अस्पताल ले जाने के लिए कहती हैं। पहले प्राथमिक उपचार दिया: राजेश्वरीएएनआई के अनुसार राजेश्वरी ने कहा, 'पहले मैंने उस युवक को फर्स्ट एड दिया और फिर कंधे पर लेकर गई। संयोग से वहां एक ऑटो आ गया और हमने उसे अस्पताल भेजा। बाद में मैं भी अस्पताल गई, उसकी मां वहां आ गई थी। डॉक्टर ने कहा कि घबराने वाली कोई बात नहीं है।'

ट्रांस मीडिया सॉफ्टवेयर के चेयरमैन जसमीन शाह द्वारा मुम्बई में शानदार दिवाली सेलिब्रेशन का आयोजन

- ***जयंतीलाल गड़ा, टिकू तलसानिया, विश्वजीत प्रधान, एमडी देसी रॉकस्टार, किरण आचार्या,वंदना विठलानी , प्रतिमा टी , गणेश जैन और संगीतकार संजीव राठोड रहे उपस्थित***
- ***अगले साल ट्रांसमीडिया गुजराती स्क्रीन ऐंड स्टेज अवार्ड दुबई या क्रूज़ में होगा; जसमीन शाह का बड़ा एलान***
- ***महाराष्ट्र में 100 प्रतिशत ऑडियंस के साथ सिनेमाघर खोले जाएं, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से जसमीन शाह की अपील***

ट्रांसमीडिया सॉफ्टवेयर लिमिटेड के चेयरमैन जसमीन शाह द्वारा मुम्बई के क्लब मिलेनियम में एक शानदार दीवाली उत्सव का आयोजन किया गया जहां ढेर सारी सेलेब्रिटीज़ ने दीवाली और न्यू ईयर सेलेब्रेट किया। इस कोरोना काल मे डेढ़ 2 वर्षों बाद इस तरह की भव्य पार्टी का आयोजन हुआ जहां जयंतीलाल गड़ा, टिकू तलसानिया, विश्वजीत प्रधान, एमडी देसी रॉकस्टार, किरण आचार्या,वंदना विठलानी ,वीनस कंपनी के गणेश जैन , एकता जैन ,ज्योति सक्सेना , सुजाता मेहता , आनंद गोराडिया , निर्माता संजय गोराडिया ,राजेंद्र बुटाला , कौश्तुभ त्रिवेदी , टाइम वीडियो के प्रवीण शाह ऐक्ट्रेस प्रतिमा टी और संगीतकार संजीव राठोड इत्यादि ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

जसमीन शाह ने इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि ट्रांसमीडिया गुजराती स्क्रीन ऐंड स्टेज अवार्ड पिछले 19 वर्षों से हर साल बड़े भव्य ढंग से किया जाता रहा है। हर साल गुजराती फिल्म के कलाकारों और टेक्नीशियन को इस अवार्ड से सम्मानित किया जाता रहा है. पिछली बार इस अवार्ड फंक्शन का आयोजन मुंबई के ट्यूलिप स्टार होटल में किया गया तो जहाँ एक्ट्रेस बिंदु, डेज़ी शाह, निर्माता आनंद पंडित, अनूप जलोटा, दीपशिखा नागपाल, सिंगर भूमि त्रिवेदी उपस्थित हुए थे। कोरोना महामारी की वजह से पिछले डेढ़ 2 साल सबके लिए मुश्किलों भरे रहे हैं। अवार्ड भी नहीं हुआ, इसलिए अब जब धीरे धीरे देश मे सारी चीजें नॉर्मल हो रही हैं तो हमने इस दीवाली सेलेब्रेशन का आयोजन किया। मुझे

खुशी है कि यहां इंडस्ट्री के काफी लोग उपस्थित रहे। गुजराती इंडस्ट्री के अलावा हिंदी फ़िल्म इंडस्ट्री के लोग भी मेरे साथ रहे हैं। जयंतीलाल जी ने हमेशा मेरा साथ दिया है। मैं हिंदी निर्माताओं से कहना चाहूंगा कि वे बेशक हिंदी फिल्म बनाएं लेकिन साल में 2-3 गुजराती फिल्मे भी बनाएं। ट्रांसमीडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर जस्मिन शाह ने आगे कहा कि मैं मीडिया के माध्यम से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से विनती कर रहा हूँ कि वे महाराष्ट्र में 100 प्रतिशत ऑडियंस के साथ सिनेमाघर खोल दें, जैसा कि पूरे भारत में खुल गए हैं। जस्मिन शाह ने इस मौके पर एलान किया कि अगले साल ट्रांसमीडिया गुजराती स्क्रीन ऐंड स्टेज अवार्ड दुबई या क्रूज़ में होगा।

जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ "धमाका" में नजर आने वाले एक्टर विश्वजीत प्रधान ने कहा कि जस्मिन शाह ने ऐसे हालात में दीवाली पार्टी रखकर सभी को इस बहाने साथ आने और मिलने जुलने का एक मौका दिया है। मैं उन्हें ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ। उनके अवार्ड फंक्शन हम मिस कर रहे हैं, मगर मुझे विश्वास है कि वह अगले वर्ष बड़ा धमाका करेंगे। जयंतीलाल गड़ा ने भी जसमीन शाह को और तमाम हिंदुस्तानियों को दिवाली और नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि अब हालात नॉर्मल हो रहे हैं। सिनेमाघरों में फिर से रौनक लौट आई है। 2021 हम सब के लिए थोड़ी आसानियाँ लेकर आया और उम्मीद है कि 2022 इससे भी अच्छा होगा। ऐक्ट्रेस किरण आचार्या ने कहा कि ट्रांसमीडिया अवार्ड 2 साल से हम मिस कर रहे हैं, लेकिन यह दीवाली उत्सव का आयोजन करके जसमीन शाह ने बड़ा संकेत दिया है। नए साल में हमें कोविड को बाये बाये करना है। टिक्कू तलसानिया ने भी यहां पार्टी को खूब एन्जॉय किया और कहा कि अब लग रहा है कि सिनेमाघरों, फिल्मी पार्टीज में दोबारा रौनक लौट आई है। मैं इन दिनों संगीत सीख रहा हूँ। हरियाणा के मशहूर सिंगर एमडी देसी रॉकस्टार ने सभी को हैप्पी दीपावली और नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि गुजराती रंगमंच और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी हस्तियों का हौसला और सम्मान बढ़ाने वाले प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह ट्रांसमीडिया गुजराती स्क्रीन एंड स्टेज अवार्ड को जस्मीन शाह ने साल 2001 से शुरू किया था और इस अवार्ड्स ने दो दशकों का लंबा और कामयाब सफर तय किया है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।